राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 31 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-304 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय सेना के ध्रुव-एनजी हेलिकॉप्टर में आम नागरिक सफर करेंगे

■ उड्डयन मंत्री नायडू ने हरी झंडी दिखाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सिविल एवएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने मंगलवार को नेक्स्ट जनरेशन सिविल हेलिकॉप्टर ध्रुव NG को हरी झंडी दिखाई। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने बनाया है। HAL से उड़ान भरने से पहले, मंत्री हेलीकॉप्टर के सिस्टम और फीचर्स की जानकारी लेने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में भी बैठे। अधिकारियों के मुताबिक ध्रुव NG, एक परिष्कृत 5.5-टन, हल्का ट्विन-इंजन, मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर है जिसे भारतीय इलाके की विविध और मुश्किल जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। ध्रुव हेलिकॉप्टर अब तक सिर्फ सशस्त्र बलों की जरूरतें पूरी करता रहा है। अब आम नागरिक भी इसमें सफर कर सकेंगे। इसका मकसद मेडिकल इमरजेंसी, पर्यटन, दूरदराज के इलाकों की कनेक्टिविटी और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर सेवाओं को बढ़ाना है। इससे पहले, भारतीय सेना ध्रुव हेलिकॉप्टर का पहाड़ों, रेगिस्तान और समुद्री इलाकों में अपने ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल करती रही है।

महाराष्ट्र: सीट बंटवारे पर महायुति में टकराव

■ अठावले ने लगाया विश्वासघात का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की सियासत में महायुति के भीतर खींचतान खुलकर सामने आ गई है। केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख रामदास अठावने ने बीएमसी चुनाव के लिए सीट बंटवारे में अपनी पार्टी को बाहर रखे जाने को विश्वासघात करार दिया। उन्होंने साफ किया कि उनकी पार्टी 38 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी सीटों पर भाजपा और शिवसेना को समर्थन देती रहेगी।रामदास आठवले ने कहा कि महायुति के गठन के बाद से उनकी पार्टी पूरी निष्ठा और मजबूती के साथ गठबंधन के साथ खड़ी रही। लेकिन बीएमसी चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर जो फैसला हुआ, उससे आरपीआई (ए) के कार्यकताओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि देर रात केवल सात सीटों का प्रस्ताव देना व्यावहारिक नहीं था और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।आठवले के मुताबिक, मुंबई में आरपीआई (ए) की ताकत वंचित बहुजन अघाड़ी से ज्यादा है, इसके बावजूद उनकी पार्टी को नजरअंदाज किया गया। इससे पूरे महाराष्ट्र में पार्टी कार्यकताओं में आक्रोश है।

बांग्लादेश में 12 दिन में तीसरे हिंदू की हत्या

कपड़ा फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी कर रहा था, साथी स्टाफ ने गोली मारी

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में एक कपड़ा फैक्ट्री के अंदर हिंदू कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बीते 12 दिनों में बांग्लादेश में हिंदू की हत्या की यह तीसरी घटना है। घटना सोमवार शाम करीब 6:45 बजे भालुका उपजिला की सुलताना स्वेटर्स लिमिटेड फैक्ट्री में हुई। मृतक की पहचान बजेंद्र बिस्वास (42) के रूप में हुई है, जो फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड था। आरोपी नोमान मिया (29) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों फैक्ट्री में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। बातचीत के दौरान नोमान मिया ने बजेंद्र पर सरकारी शॉटगन तान दी। कुछ ही देर में बंदूक चल गई और गोली बजेंद्र की बायीं जांघ में लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। 24 दिसंबर बुधवार रात 11:00 बजे एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना राजबाड़ी जिले के होसेनडांगा गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 29 वर्षीय अमृत मंडल उर्फ सम्राट के तौर पर हुई। पुलिस ने बताया कि अमृत को भीड़ ने जबरन वसूली के आरोप में मार डाला। वह होसेनडांगा गांव का ही निवासी था। पुलिस ने बताया कि अमृत के खिलाफ पांगशा पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज हैं। इनमें एक हत्या का मामला भी शामिल है। इससे पहले 18 दिसंबर को ढाका के पास हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ ने हत्या

कर दी थी। बाद में उसे पेड़ पर लटकाकर जला दिया था।इस मामले की जांच में यह सामने आया कि जिस दावे के आधार पर भीड़ ने हमला किया था, उसके कोई सबूत नहीं मिले। दरअसल, सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया जा रहा था कि दीपू चंद्र दास ने फेसबुक पर ऐसी टिप्पणी की थी,

जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं, लेकिन जांच एजेंसियों का कहना है कि अब तक ऐसी किसी भी पोस्ट या टिप्पणी के प्रमाण नहीं मिले हैं। बांग्लादेश की रैपिड एक्शन बटालियन (RAB) के कंपनी कमांडर मोहम्मद शम्सुज्जमान ने बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार को बताया कि जांच में यह साबित करने वाला कोई साक्ष्य नहीं मिला है कि दीपू दास ने फेसबुक पर कोई आपत्तिजनक या धार्मिक भावनाएं भड़काने वाला कंटेंट डाला था। दीपू चंद्र की हत्या जिस वक्त हुई, उस दौरान बांग्लादेश में हिंसा भड़की हुई थी। इंकलाब मंच के लीडर 32 साल के शरीफ उस्मान बिन हादी की मौत के बाद से राजधानी ढाका समेत 4 शहरों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई हैं। उस्मान हादी अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के विरोध में हुए छात्र आंदोलन के लीडर थे। वे शेख हसीना और भारत विरोधी माने जाते थे। 12 दिसंबर को उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान गोली मार दी गई थी।

अल्मोड़ा में खाई में गिरी बस: सात यात्रियों की मौत

दो महिला समेत 12 घायल, पीएम मोदी ने जताया दुख

एजेंसी

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। एक बस खाई में गिर गई। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो महिलाओं समेत 12 यात्री घायल हो गए। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया और पीएमओ ने एक्स पर लिखा- हादसे में लोगों की जान जाने की खबर अत्यंत दुखद है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। जानकारी के अनुसार, अल्मोड़ा के भिकियासैंण इलाके के शिलापनी में एक बस हादसे का शिकार हो गई। एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। बस में सवार अन्य 12

यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन व राहत-बचाव दल मौके पहुंचा। घायलों को निकालकर उन्हें चिकित्सकीय सहायता के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिले के भिकियासैंण इलाके में शिलापनी के पास एक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में सात लोगों की जान चली गई, जबकि दो महिलाओं समेत 12 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को खाई से निकालकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बस में कुल 19 यात्री सवार थे। हादसे की वजह का पता किया जा रहा है। अनुमान है कि चालक का नियंत्रण खो जाने की वजह से यह हादसा हुआ। मृतकों में पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। गोविंद बल्लभ (80 वर्ष), उनकी पत्नी पार्वती देवी (75 वर्ष), दोनों जमोली निवासी; सूबेदार नंदन सिंह अधिकारी (65 वर्ष), जमोली; तारा देवी (50 वर्ष), बाली; गणेश (25 वर्ष); उमेश (25 वर्ष); और एक अज्ञात युवक, जिसकी पहचान अभी की जा रही है। नंदा बल्लभ (50 वर्ष), नौबाड़ा; राकेश कुमार (40 वर्ष), नौबाड़ा; नंदी देवी (40 वर्ष), सिंगोली; हंसी सती (36 वर्ष), सिंगोली; मोहित सती (16 वर्ष), नौघर; बुद्धि बल्लभ (58 वर्ष), अमोली; हरीचंद्र (62 वर्ष), पाली; भूपेंद्र सिंह (64 वर्ष), जमोली; जितेंद्र रेखाड़ी (37 वर्ष), विनायक; बस चालक नवीन चंद्र (55 वर्ष); हिमांशु पालीवाल (17 वर्ष); और प्रकाश चंद (43 वर्ष), चचरौटी शामिल हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवारों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

नववर्ष: इंडिया गेट और सीपी में वाहनों का प्रवेश बंद

■ यहां मिलेगी पार्किंग

एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल-2026 के जश्न के लिए दिल्ली पुलिस खासकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने तैयारी पूरी कर ली है। नए साल की पूर्व संध्या पर यानि 31 दिसंबर को रात 7 बजे से कनॉट प्लेस में वाहनों का प्रवेश बंद हो जाएगा। ये प्रतिबंध जश्न खत्म होने तक जारी रहेगा। ये प्रतिबंध सभी निजी और सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर लागू होगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के उपायुक्त राजीव कुमार ने कहा है कि वैध पास रखने वालों को छोड़कर कनॉट प्लेस के आंतरिक, मध्य या बाहरी सर्कल में किसी भी वाहन यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी भी वाहन को इन जगहों से आगे कनॉट प्लेस की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। ये जगह हैं- गोलचक्कर (आर/ए) मंडी हाउस, बंगाली मार्केट, रंजीत सिंह फ्लाईओवर के उत्तरी फुट, मिंटो रोड-दीन दयाल उपाध्याय मार्ग क्रॉसिंग, मुंजे चौक के पास चेम्सफोर्ड रोड (नई दिल्ली रेलवे स्टेशन), आर.के. आश्रम मार्ग-चित्रगुप्त मार्ग क्रॉसिंग, आर/ए गोल मार्केट, आर/ए जी.पी.ओ., पटेल चौक, कस्तूरबा गांधी रोड-फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग, जय सिंह रोड-बंगला साहिब लेन और आर/ए विंडसर प्लेस। वैध पास वाले वाहन ही आगे जा सकते हैं। गोल डाक खाना के पास, काली बाड़ी मार्ग, पंडित पंत मार्ग, भाई वीर सिंह मार्ग, एआईआर के पीछे रकाब गंज रोड पर पटेल चौक के पास, कोपरनिकस मार्ग पर मंडी हाउस के पास बड़ौदा हाउस तक,डी.डी. पर मिंटो रोड के पास।

सोशल मीडिया पोस्ट पर अहमदाबाद में दो गुटों में पथराव: 40 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

अहमदाबाद। साणंद में स्थित कालाना गांव में मंगलवार सुबह दो समुदायों के लोगों के बीच हिंसक झड़प हो गई। यह विवाद पुरानी रंजिश को लेकर हुआ और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की। हिंसा का लाइव वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने 40 लोगों को हिरासत में लिया है। गांव में भारी पुलिस बल तैनात है। जानकारी के मुताबिक गांव में रहने वाले युवाओं के दो गुटों के बीच पिछले कई सालों से सोशल मीडिया पर एक

पोस्ट को लेकर विवाद चल रहा है। इससे सोमवार को भी एक गुट के युवक को दूसरे गुट के युवकों ने पीट दिया था। इसके बाद दोनों तरफ से दर्जनों लोग आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों तरफ से लोगों की संख्या बढ़ गई और एक-दूसरे पर जमकर पथराव होने लगा। किसी तरह हालात काबू में हुए। मंगलवार सुबह फिर भिड़े मंगलवार सुबह दोनों दलों के बीच फिर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया और पत्थरबाजी शुरू हो गई। पुलिस की कई टीमें गांव पहुंचीं और हालात को काबू में लिया। फिलहाल गांव में शांति है। पुलिस संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दर्ज करवाई गई है।

प्रियंका गांधी के बेटे रेहान वाड्रा की सगाई की खबरें

एजेंसी

नई दिल्ली। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और बिजनेस मैन रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा की गर्लफ्रैंड अविवा बेग से सगाई की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि रेहान और अविवा 7 साल से रिलेशनशिप में हैं। दोनों को ही फोटोग्राफी का शौक है। सगाई में वाड्रा, गांधी और बेग परिवार के करीबी लोग ही मौजूद थे। हालांकि अभी तक गांधी या वाड्रा परिवार से किसी ने भी सगाई की खबरों की पुष्टि नहीं की है। लेकिन दोनों की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल है। दैनिक भास्कर इसकी

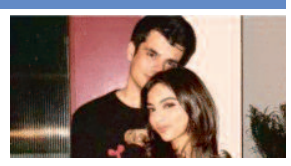

पुष्टि नहीं करता है। रेहान की मंगेतर अविवा, दिल्ली के बिजनेसमैन इमरान बेग और इंटीरियर डिजाइनर नंदिता बेग की बेटी हैं। अविवा की मां नंदिता ने ही कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन का इंटीरियर डिजाइन किया था। अविवा बेग और उनका परिवार दिल्ली में रहता है, दोनों परिवार एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। अविवा एटेलियर-11 की को-फाउंडर हैं, जो एक फोटोग्राफी स्टूडियो और प्रोडक्शन कंपनी है।

अमित शाह बोले: ममता बनर्जी घुसपैठ नहीं रोक सकतीं

सीएम बोलीं: शकुनि का चेला आया, घुसपैठ सिर्फ बंगाल से तो क्या पहलगाम हमला आपने कराया

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि शकुनि का चेला दुशासन बंगाल में जानकारी जुटाने आया है। जैसे ही चुनाव आते हैं, दुशासन और दुर्योधन दिखाई देने लगते हैं। आज बीजेपी कह रही है कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो फिर पेट्रापोल और अंडाल में जमीन किसने दी? बांकुरा में आयोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा- बीजेपी कहती है कि घुसपैठिए सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगाम में हमला आपने कराया था? दिल्ली में जो घटना हुई, उसके पीछे कौन था? बीजेपी रक्षक के नाम पर लोगों को परेशान कर रही है। ममता का ये बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर आया है। पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे दिन आज शाह ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता सरकार घुसपैठ को रोक नहीं पा रही है। अगर राज्य में भाजपा सरकार बनी तो यहां परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। बंगाल में सभी योजनाएं डेड एंड पर पहुंच गई हैं। दरअसल, शाह बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर यहां पहुंचे हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा का कार्यकाल 7 मई 2026 तक है। चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होना लगभग तय है। यहां कुल 294

सीटें हैं, TMC की सरकार है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। बंगाल में घुसपैठ परः टीएमसी के 15 साल के शासन में लोग भयभीत हैं। ममता बनर्जी सरकार चुनावी फायदे के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। मोदी सरकार देश में गरीबी का उन्मूलन कर रही है। बंगाल की जनता घुसपैठियों से त्रस्त है। क्या कोई सरकार ऐसी हो सकती है कि जो घुसपैठियों की पनाहगार बने। ये राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। ये बंगाल नहीं, पूरे देश की सुरक्षा का मामला है। इसे केवल राष्ट्रवादी सरकार यानी भाजपा की सरकार ही तय कर सकती है। महिला सुरक्षा परः बंगाल सरकार महिलाओं को उनका अधिकार देने में विफल रही है। संदेशखाली, आरजी कर अस्पताल रेप केस समेत और भी मामले हैं। ममता सरकार इन्हें सुरक्षा देने में विफल रही है। हिंदुओं की स्थिति परः अब मरहम लगाने से कुछ नहीं होता है। बंगाल के हिंदुओं के दिल पर गंभीर घाव हो गया है। अब ममता सरकार के जाने का समय हो गया है। जनता भी चाहती है कि हम इस सांप्रदायिक सरकार को हटा दें। केंद्रीय योजनाएं रोके जाने परः टीएमसी के शासन में बंगाल का विकास थम गया है। मोदी सरकार देश में गरीबी का उन्मूलन कर रही है। बंगाल में सभी योजनाएं डेड एंड पर पहुंच गई हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बने रूल्स ममता सरकार तोड़ देती है। मनमानी करती है। प्रॉक्सी अधिकारी बैठाती है। 2026 चुनाव में जीत परः 2026 के बंगाल के चुनाव में हमारी सरकार बनेगी। इसका मजबूत आधार हमारे पास है। बीजेपी प्रचंड जीत के साथ सरकार बनाएगी। पीएम मोदी से विरोध परः बंगाल में पीएम विरोध मानसिकता फैला रही हैं। किसी भी राज्य में पीएम जाते हैं तो पीएम होते हैं। पीएम जब यहां आते हैं तो ममता स्टेज पर नहीं आती हैं। बंगाल के किसानों का 10 हजार करोड़ रुपए बंगाल सरकार की कमी के कारण वापस चला गया। बंगाल सरकार ने आयुष्मान योजना लागू नहीं की।

अमेरिकी थिंक टैंक का दावा: 2026 में भारत-पाक युद्ध संभव

कश्मीर में आतंकी गतिविधि वजह बनेगी, दोनों देशों ने हथियारों की खरीद बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के बड़े थिंक टैंक काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (CFR) ने चेतावनी दी है कि 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच फिर युद्ध हो सकता है। उनकी रिपोर्ट ह्यकॉन्फ्लिक्ट्स टू वॉच इन 2026ह्ल के अनुसार, कश्मीर में आतंकी गतिविधियां बढ़ने से दोनों देशों के बीच टकराव की मध्यम संभावना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष होता है, तो उसका असर अमेरिका के हितों पर भी मध्यम स्तर तक पड़ सकता है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में अभी कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं हुआ है, लेकिन खुफिया एजेंसियों के अनुसार इस सर्दी में जम्मू क्षेत्र में 30 से ज्यादा पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हैं। इधर भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्षविराम के बावजूद दोनों देशों ने हथियारों की खरीद तेज कर दी है। भारत में रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने हाल ही में 79 हजार करोड़ रुपए के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है, जिसमें ड्रोन, एयर-टू-एयर मिसाइल और गाइडेड बम शामिल हैं। उधर पाकिस्तान ने भी तुर्किये और चीन से नए ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए बातचीत

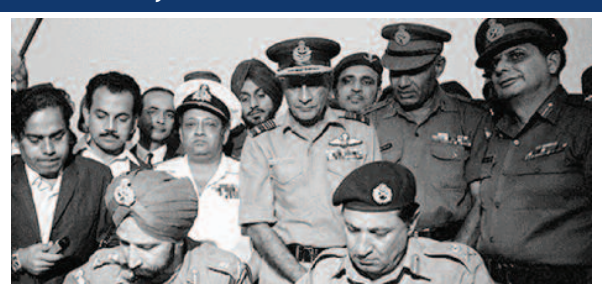

शुरू की है, ताकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सामने आई कमजोरियों को दूर किया जा सके। रिपोर्ट में एक और बड़े खतरे की ओर इशारा किया गया है। CFR के मुताबिक, 2026 में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी सशस्त्र संघर्ष की मध्यम संभावना है, हालांकि इसका असर अमेरिकी हितों पर कम होगा। अक्टूबर में 2600 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन पर पाकिस्तान और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच भीषण झड़पें हुई थीं। दोनों देशों की सेनाओं ने कई इलाकों में एक-दूसरे पर गोलीबारी की थी और सीमा चौकियां तबाह होने के दावे किए थे। इसके बाद दोनों देशों के रिश्ते और व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। CFR की यह रिपोर्ट अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञों के सर्वे पर आधारित है। इसका मकसद अमेरिकी नीति-निमार्ताओं को उन क्षेत्रों के बारे में सतर्क करना है, जहां भविष्य में संघर्ष भड़क सकता है। रिपोर्ट में संघर्षों को तीन श्रेणियों टियर-1, टियर-2 और टियर-3 में बांटा गया है, ताकि यह समझा जा सके कि कहां संघर्ष की संभावना और उसका असर कितना गंभीर हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

परिवर्तन की दहलीज पर कांग्रेसः क्या प्रियंका गांधी बनेंगी कांग्रेस के पुनर्जागरण की धुरी?

कांग्रेस पार्टी के इतिहास और वर्तमान को देखें तो यह स्पष्ट होता है कि पार्टी बाहरी चुनौतियों से ज्यादा अंदरूनी कलह और आपसी मतभेदों के कारण टूटी और बिखरी है। राजनीति में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन कांग्रेस में यह मतभेद अक्सर व्यक्तिगत गुटबाजी का रूप ले लेते हैं, जिससे पार्टी की एकजुटता को भारी क्षति पहुँचती है। इस तरह के आंतरिक संघर्षों का सार्वजनिक होना पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाता है और मतदाताओं के बीच अविश्वास पैदा कर सकता है।

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

आज के राजनीतिक परिदृश्य में कांग्रेस न केवल बिखरी हुई है, बल्कि वह अपने अस्तित्व के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। जब पीएम मोदी कांग्रेस मुक्त भारत का नारा बुलंद करते हैं, तो विरोधी दल और राजनीतिक विश्लेषक भी इस बात को पूरी तरह खारिज नहीं कर पाते, क्योंकि चुनावी आंकड़ों में कांग्रेस का ग्राफ लगातार गिरा है। यह कहना कि कांग्रेस पूरी तरह खत्म हो गई है, जल्दबाजी होगी, लेकिन यह कड़वा सच है कि वह अब वैसी मजबूत शक्ति नहीं रह गई है जैसा उसका गौरवशाली इतिहास रहा है। आज पार्टी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों स्तरों पर बेहद कमजोर स्थिति में है। राजनीति के मौजूदा वातावरण में यह स्पष्ट है कि कांग्रेस के पुनरुद्धार के लिए केवल सतही सुधार काफी नहीं हैं। इसके लिए संगठन की जमीनी संरचना से लेकर शीर्ष नेतृत्व के विजन तक, दोनों ही स्तरों पर व्यापक, साहसिक और आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है, जिसकी चर्चा आज गलियारों से लेकर जनमानस तक में निरंतर होती रहती है।

कांग्रेस पार्टी के इतिहास और वर्तमान को देखें तो यह स्पष्ट होता है कि पार्टी बाहरी चुनौतियों से ज्यादा अंदरूनी कलह और आपसी मतभेदों के कारण टूटी और बिखरी है। राजनीति में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन कांग्रेस में यह मतभेद अक्सर व्यक्तिगत गुटबाजी का रूप ले लेते हैं, जिससे पार्टी की एकजुटता को भारी क्षति पहुँचती है। इस तरह के आंतरिक संघर्षों का सार्वजनिक होना पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाता है और मतदाताओं के बीच अविश्वास पैदा कर सकता है। कांग्रेस के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे आंतरिक मतभेदों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करें और सामूहिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें ताकि वे एकजुट होकर काम कर सकें।

इसमें कोई संदेह नहीं कि राहुल गांधी ने कांग्रेस को पुनर्जीवित करने और आगे बढ़ाने के लिए अपनी पूरी क्षमता के साथ अपना सर्वोत्तम योगदान दिया है। भारत जोड़ो यात्रा जैसे अभियानों के माध्यम से उन्होंने न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरा, बल्कि जनता के बीच सीधे पहुँच बनाकर खुद को एक जन नायक के रूप में भी स्थापित किया है। राहुल गांधी का संघर्ष और उनकी दृढ़ता कई मौकों पर पार्टी के लिए संबल बनी है। परंतु, राजनीति निरंतर परिवर्तन की मांग करती है। आज समय की पुकार है कि मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ नेता, जिन्होंने संकट के समय पार्टी की कमान संभाली, उन्हें अब पूरे मान-सम्मान के साथ पद से विदा कर संगठन में नई ऊर्जा का संचार किया जाए। कांग्रेस के लिए अब केवल चेहरों का बदलाव पर्याप्त नहीं है; उसे अपने सांगठनिक ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन करने होंगे। पार्टी को अब कागजी रणनीतियों से बाहर निकलकर बूथ स्तर पर अपने तंत्र को सबसे अधिक मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जब तक ग्रासरूट स्तर पर कार्यकर्ता सक्रिय और सशक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्रीय स्तर पर पुनरुद्धार की कल्पना करना कठिन है। कांग्रेस को अब नए नेतृत्व, आधुनिक रणनीति और सशक्त बूथ प्रबंधन के साथ अपनी अगली राजनीतिक पारी की शुरुआत करनी चाहिए।

अब यह अनिवार्य हो गया है कि कांग्रेस पार्टी अपने पुराने ढर्रे को छोड़कर नई पीढ़ी के नेताओं को निर्णायक शक्ति सौंपे। सीनियर नेताओं के अनुभव का सम्मान अपनी जगह है, लेकिन अब समय की मांग है कि युवा नेतृत्व को अग्रिम पंक्ति में लाया जाए। जब ऊर्जावान और नए चेहरे सामने आएंगे, तभी मैदान पर वह नई शक्ति दिखाई देगी जो सोशल मीडिया की सक्रियता से लेकर ज़मीनी स्तर पर बूथ

मैनेजमेंट को आधुनिक और चुस्त-दुरुस्त बना सके। विशेष रूप से, पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका गांधी ने जिस प्रकार की राजनीतिक परिपक्वता का परिचय दिया है, वह काबिले तारीफ है। वे न केवल कांग्रेस की मूल विचारधारा को प्रखरता से जनता के सामने रखती हैं, बल्कि कार्यकर्ताओं के साथ उनका सहज जुड़ाव और संवाद करने की शैली अद्भुत है।

पक्ष और विपक्ष, दोनों के बीच अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखने की उनकी कला उन्हें एक अत्यंत लोकप्रिय राजनेता के रूप में स्थापित करती है। प्रियंका गांधी के व्यक्तित्व में उनकी दादी (इंदिरा गांधी) का अक्स और उनकी माँ सोनिया गांधी का धैर्य दिखाई देता है, जो पार्टी को पुनः मुख्यधारा में लाने की क्षमता रखता है।

अब वह निर्णायक समय आ गया है जब सोनिया गांधी, गहलोत, और मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे दिग्गज नेताओं को मार्गदर्शक की भूमिका अपना लेनी चाहिए और पार्टी की सीधी बागडोर प्रियंका गांधी के हाथों में सौंप देनी चाहिए। उनके नेतृत्व में एक ऐसी टीम का गठन हो जो तकनीक और जमीन दोनों पर मजबूत पकड़ रखती हो। कांग्रेस को इस विषय पर बहुत जल्द और गंभीरता से विचार कर इसे अमल में लाना होगा, क्योंकि राजनीति की दौड़ में ठहराव का मतलब पिछड़ जाना है। यदि अब भी साहसिक निर्णय नहीं लिए गए, तो पुनरुद्धार की रही-सही गुंजाइश भी समाप्त हो जाएगी और बहुत देर हो जाएगी।

संपादकीय

कांग्रेस के संकट

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर चुनावी मोर्चे पर भी कांग्रेस के लिए बीत रहा साल निराशाजनक ही रहा है। कांग्रेस पार्टी को दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना भी करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने 'वोट चोरी' मुहिम को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है। आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है।' वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़ गे ने घोषणा की कि 'कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।' लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी। निश्चय ही आम कार्यकर्ता पर इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा। दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे-बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दर्शाता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती। अक्सर कांग्रेस यह दावा भी करती रही है कि इतिहास, मूल्य और विचारधारा उसकी मूल पूंजी हैं। इस पूंजी को चुनावी लाभ में परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं, यह बयानबाजी से कम और पार्टी में सुधार, संगठन के पुनर्गठन और जनता से प्रभावी ढंग से पुन- जुड़ने की क्षमता पर अधिक निर्भर करता है। ऐसे समय में, जब राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा का एकछत्र वर्चस्व बना हुआ है और यह कह सकते हैं कि सभी क्षेत्रों में इसका दबदबा कायम है, भाजपा ने तो यहां तक कह दिया है कि कांग्रेस 'चापलूसों की सेना' है।

शरीर में प्राण और प्रेम की अनुभूति

(लेखक-संजय गोस्वामी)

शरीर में कण्ठ से हृदय पर्यन्त जो वायु कार्य करता है, उसे प्राण कहा जाता है । यह प्राण नासिका मार्ग, कण्ठ, स्वर तन्त्र, वाक् इन्द्रिय, अन्न नलिका, श्वसन तन्त्र, फेफड़ों एवं हृदय को क्रियाशीलता तथा शक्ति प्रदान करता है ।

हमारे शरीर में पुरयषटका है जिसे प्राण भी कहते ,कोई उसे जीवात्मा कहता , प्राण से नाड़ी और नाड़ी से श्वास ऐसे चलती जैसे धोकनी ये सब क्रिया है यहां करता कोई नहीं है क्रिया जगत यानि संसार में हो रही सुरज निकल रहा हवा बह रही धरती घुम रही इसके चलाने वाला कोई करता नहीं ,जीव स्वयं के होने का अभिमान कर करता बन बैठा और फिर भोग फिर भोग से तृष्णा बेचैनी असंतोष अब वो ही मार्ग खोज रहा वो शरीर को सत्य जान रहा लेकिन ये नहीं समझ रहा क्रियाओ का कारण गुण है और भगवान श्रीकृषण ने कहा कि गुणा गुणैसु वर्तते कबीर दास जी भजन के माध्यम से कहते हैँ राम निरंजन न्यारा रे, अंजन सकल पसारा रे! अंजन माने प्रकृति; ये शरीर, हमारे विचार, हमारी मान्यताएँ, सुख-दुख, रिश्ते-नाते, कल्पनाएँ, आकांक्षाएँ—सब अंजन का ही विस्तार है, सब अंजन का ही पसार है। तो निरंजन क्या है? राम हैं निरंजन — वो जो इस पूरे विस्तार से न्यारे हैं, विशिष्ट हैं। क्या आपके जीवन में भी कुछ ऐसा है जो इस प्रकृति के फैलाव से अलग है? क्या आपके जीवन में कुछ ऐसा है जो आपको उस निरंजन राम से मिलवा सके? कबीर साहब के इस भजन का वेदान्तिक अर्थ कर रहे हैं और एक-एक शब्द के माध्यम से हमारे जीवन के अंजन की परतों को खोल रहे हैं। पूरी चर्चा में आचार्य जी बता रहे हैं कि कैसे अंजन से घिरे रहकर भी कोई उसी अंजन को माध्यम बना सकता है निरंजन तक पहुँचने का। आशा है इस भजन के माध्यम से आप भी अंजन से निरंजन की ओर बढ़ पाएँगे जागृत में सुषुप्ति हृदय और हृदय में श्वास का अभाव न देश न काल उसे साक्षी आत्मा कहते हैं सीधी सरल भाषा मे ब्रह्म की परिभाषा देनी हो तो ऐसा कहा जा सकता है ब्रह्म यानी चैतन्य का महासागर । जिस चैतन्य में से चैतन्य प्राप्त करके चन्द्र समस्त विश्व के प्राणी , पदार्थ , वनस्पति को अमृतमय शीतलता प्रदान करता है । जिस चैतन्य में से चैतन्य प्राप्त करके तारे , ग्रह , नक्षत्र आकाश में बिना किसी आधार के लटक रहे हैं । जिस चैतन्य में से चैतन्य प्राप्त करके सूर्य , चन्द्र ,तारे , नक्षत्र , ग्रह , पृथ्वी आदि हजारों मील की गति से आकाश में भृमण कर रहे है । जिस चैतन्य में से चैतन्य प्राप्त करके पृथ्वी तमाम प्राणी पदार्थ , नदियाँ , पर्वत को धारण कर सकती है और वायु वहन कर रहा है । उसी चैतन्य का संग्रह , चैतन्य महासागर का नाम परब्रह्म परमेश्वर है । ब्रहम कि अनुभुति होती है जहां पर वाणी कि भी गति नहीं ,वहां पर शब्द यानि जगत और अर्थ यानि उसकी सत्यता का अभाव है उस स्थिती का नाम ब्रहम चैतन्य संवित आत्मा परमात्मा इतना शास्त्र और ऋषियों ने उपदेश के लिए कहा जब वो अनुभुति होती तब जीव जान लेता कि ये सब कल्पना नहीं है और तब वो समता करुणा अभय निश्चिंत मुदिता और प्रेम में डुबा रहता सिर्फ एक माया ही ऐसी है जो उसे गिरा सकती इसलिए उसे कभी भी सत्संग संतों का संग शास्त्र चर्चा का त्याग नहीं करना चाहिए हृदय = भक्ति साक्षी = ज्ञान श्वास = योग और तीनों से मिश्रित मार्ग भी है। कर्म मार्ग भी है। यह किसी संत ने स्वयं अपने मार्ग के विषय में बताया है श्वास यानी विपश्यना। सांसों पर ध्यान देकर अंतर्मुखी होने का प्रयास करना। साक्षी मतलब दृष्टा भाव को प्राप्त करना लेकिन यह प्राप्त कैसे होगा इतना सरल है क्या कभी-कभी संत लोग मैं तो यही कहूंगा कुछ ऐसी बातें बोलते हैं जो आम भक्तों के पल्ले नहीं पड़ती तो वह महान की श्रेणी में आ जाते हैं। बात वह करनी चाहिए जो धरातल पर हो और प्रैक्टिकल हो। अब आपने लिख दिया साक्षी यानी दृष्टा भाव अरे हमारे पिताजी की संपत्ति नहीं है जो उनके बाद हमको सीधे मिल जाएगी। इसी के लिए तो सारे कर्मकांड है लेकिन क्या हमारे अंदर यह आता है। फिर लिख दिया हृदय भगवान श्री कृष्ण भगवत गीता में बोला है कि मैं हृदय में स्थित गुह्य में निवास करता हूं। इसका एक यह भी अर्थ हो सकता है आप हृदय चक्र में ध्यान करें। भगवान राम के ध्यान से मन शांत होता है उसके बाद हमें शांत मन से कुछ भी बोलना है वह बड़ा सोच समझ कर ही सत्य संभव हो या ना हो उसका मार्ग हमें पता हो या ना हो हमें तो अपनी विद्वत्ता सिद्ध होता है। यह तरह मन शांत में सही और गलत का पहचान करता है जब ऊपरी मन से केवल नाम लेते हैँ तो वाक्य वास्तव में सही नहीं बैठता है क्योंकि श्वास आरंभ है और साक्षी बहुत मुश्किल काम है जो इसे धीरे-धीरे प्राप्त होता है इसलिए तीनों को एक साथ बैठना उचित नहीं सबसे पहले आप स्वस्थ लिखिए उसके बाद आप साक्षी लिखिए और फिर आपका हृदय में स्थित जो प्रमुख अंश है वह लिखिए। इन सभी का एक ही उत्तर है अपने इष्ट का सतत निरंतर निर्बाध मंत्र जाप या नाम जप और कुछ नहीं। इससे सस्ता सुंदर टिकाऊ और सहज मार्ग कोई हो नहीं सकता।राम के ध्यान से प्रेम उमड़ पड़ता है और प्रेम को समझने के लिए निम्न बातों पर विचार करें । 1.. प्रेम सदैव ही सहनशील एवं मधुर होता है। कठोरता, उद्दंडता, दृढ़ प्रेम के विरोधी लक्षण है। प्रेमी,उदार, अक्रोधी, तथा नम्र होता है। 2... प्रेम ईर्ष्या नहीं करता। प्रेमी को विश्वास होता है कि, उसके प्रभु का भंडार अखंड एवं अखूट है। अतः ईर्ष्या किस बात की। 3.. प्रेम में आत्म श्लाघा नहीं प्रेमी जानता है कि गुणों का भंडार केवल उसका प्रभु है। केवल वही प्रशंसनीय है। 4.. प्रेम में गर्व नहीं होता।।गर्व (अभिमान)से चित्त दूषित हो जाता है। दूषित चित्त को प्रभु कभी भी पसंद नहीं करते।

5.. प्रेम में दुष्ट आचरण नहीं है क्योंकि प्रेमी के प्रत्येक आचरण, व्यवहार एवं क्रिया अपने प्रियतम की प्रसन्नता के लिए ही होती है 6.. प्रेमी अपना मन, बुद्धि, हृदय, कामनाएं,शरीर,समय,धन, सम्पत्ति, घर परिवार सभी कुछ प्रभु को अर्पण करता जाता है।। प्रेम का अर्थ खुद और संसार की रक्षा करना है, लेकिन जल्दबाजी में और बिना पूरी सच्चाई जाने किसी गलत आदमी को की गई रक्षा स्वयं एक विनाशकारी रूप ले सकती है। श्री राम ने यही सिखाया कि प्रेम को विवेक और विश्वास के साथ संतुलित करना आवश्यक है।

चिंतन मनन

जाल हैं राग और द्वेष

परमानंद को समझा नहीं जा सकता और उसे पाना भी अत्यंत कठिन है। कई जीवन कालों के बाद परमानंद की प्राप्ति होती है और एक बार पाने पर इसे खोना तो और भी कठिन है। जीवन में तुम्हें तलाश है केवल परमानंद की- अपने स्रेत के साथ तुम्हारा दिव्य मिलन और संसार में बाकी सबकुछ तुम्हें इस लक्ष्य की प्राप्ति से विचलित करता है। असंख्य कारण, विभिन्न तरीकों से तुम्हें उस लक्ष्य से विमुख करते हैं; लाख बहाने, जो न समझे जा सकते हैं, न बताए जा सकते हैं, तुम्हें घर नहीं पहुंचने देते। राग और द्वेष से मन चंचल रहता है। केवल जब मन शांत होता है, तब परमानंद उदित होता है। परमानंद वास है दिव्यता का, सभी देवों का। केवल मानव शरीर में ही इसे पाया जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है।

एक बार मानव जीवन पाकर, तथा इस मार्ग पर आकर भी यदि तुम्हें यह समझ में नहीं आता, तो तुम बड़े नुकसान में हो। राग और द्वेष तुम्हारे हृदय को कठोर बनाते हैं। यदि हृदय में रूखापन है तो केवल व्यवहार में विनम्रता होने से कोई लाभ नहीं। संसार को यह परवाह नहीं कि तुम अंदर से कैसे हो। संसार केवल तुम्हारा बाहरी व्यवहार देखता है। परंतु, ईश्वर को यह परवाह नहीं कि तुम बाहर से कैसे हो- वे केवल तुम्हारे अंदर देखते हैं। थोड़ा-सा भी राग या द्वेष का अंश कभी भी अपने दिल में मत बसाओ। इसे तो गुलाब के फूल की तरह रहने दो- ताजा, कोमल और सुगंधित। यह कैसा भ्रम है- तुम किसी व्यक्ति या वस्तु को नापसंद करते हो, और यह तुम्हारे हृदय को कठोर बनाता है। और इस कठोरता को निर्मल होने में बहुत समय लगता है। राग और द्वेष ऐसे जाल हैं जो तुम्हें अनमोल खजाने से दूर रखते हैं।

इस भौतिक संसार में कोई भी चीज तुम्हें तृप्ति नहीं दे सकती। बाहरी दुनिया में संतुष्टि खोजने वाला मन अधिक अतृप्त हो जाता है और यह अतृप्ति बढ़ती ही जाती है; शिकायतें तथा नकारात्मक स्वभाव दिमाग को कठोर बनाने लगते हैं, सजगता को ढक देते हैं और पूरे वातावरण में नकारात्मकता का विष फैला देते हैं। जब नकारात्मकता शिखर छूती है, एक अत्यधिक फूले हुए गुब्बारे की तरह फूट जाती है और फिर से दिव्यता में आ जाती है।

विचार मंथन

राहुल गांधी के आरोपों की सच्चाई, पश्चिम बंगाल में सामने आई

(लेखक- सनत जैन)

- सॉफ्टवेयर और ऐप के सोर्स कोड का खुलासा करे चुनाव आयोग

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को लेकर सामने आया विवाद केवल एक राज्य तक सीमित प्रशासनिक समस्या नहीं है, बल्कि यह भारत की चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सीधा सवाल खड़ा करता है। ईआरओ के अधिकार केंद्रीय चुनाव आयोग ने अपने पास ले लिए हैं? जिस मुद्दे को विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी, लंबे समय से उठा रहे हैं, चुनाव आयोग की डिजिटल प्रक्रियाएं अपारदर्शी हैं। तकनीक के जरिए मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों से छेड़छाड़ करने के वह आरोप लगा रहे हैं। वह यह भी आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग सरकार के दबाव में सत्ता पक्ष के काम कर रहा है। राहुल गांधी के आरोपों की सच्चाई अब जमीन पर दिखाई देने लगी है। केंद्रीय चुनाव आयोग के सेंट्रल सॉफ्टवेयर की तकनीकी खामी के चलते पश्चिम बंगाल में 31 से 32 लाख मतदाताओं को 'अनमैप्ड' घोषित कर उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। यह बेहद गंभीर मामला है। इससे पहले 58 लाख से अधिक नामों को ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाया जाना अपने आप में चिंताजनक है। मतदाता सूची तैयार करने का अधिकार जिलों में पदस्थ ईआरओ के पास होता है। बीएलओ, मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाताओं के घर जाकर जानकारी लेकर रिपोर्ट तैयार करता है। पश्चिम बंगाल में केंद्रीय चुनाव आयोग के पोर्टल से मतदाता सूची बनाने और मतदाताओं के नाम हटाने का काम सॉफ्टवेयर के माध्यम से हो रहा है। इसकी जानकारी स्थानीय चुनाव अधिकारी को नहीं होती है। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जो जांच के नोटिस जारी किए गए थे उसकी जांच किए जाने पर यह तथ्य उजागर हुआ है। 2002 की मतदाता सूची की पीडीएफ फाइल को पूरी तरह टेक्स्ट फॉर्मेट में बदला ही नहीं गया था। इसी कारण केंद्रीय चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर एवं पोर्टल में सही तरीके से नाम लिंक नहीं हो पाए। केंद्रीय चुनाव आयोग की लापरवाही और अपारदर्शिता को दर्शाता है। केंद्रीय चुनाव आयोग बिना पर्याप्त सत्यापन के सॉफ्टवेयर और प्रोग्राम के आधार पर काम कर रहा है, जिसके कारण चुनाव में भारी गड़बड़ी हो रही है। सबसे अहम सवाल यह है, जब मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का अधिकार रिटर्निंग ऑफिसर का है। ऐसी स्थिति में दिल्ली से सॉफ्टवेयर के आधार पर मतदाताओं को नोटिस जारी करना, उनके नाम मतदाता सूची से हटाना या जोड़ना किस नियम के तहत केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा किया गया? पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सुनवाई प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। राज्य चुनाव आयोग का इस तरह की रोक लगाना यह दर्शाता है, राज्य स्तर पर इस प्रक्रिया के कारण चुनाव का कार्य सही तरीके से हो ही नहीं सकता है। गलत तरीके से मतदाताओं के नाम जोड़ने और काटने का खामीयाजा स्थानीय बीएलओ और ईआरओ को भुगतना पड़ता है। मतदाता इसके लिए स्थानीय अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराता है। चुनाव कार्य में लगे पश्चिम बंगाल के अधिकारियों ने गंभीर आपत्तियां जताई हैं। यह टकराव केंद्र और राज्य चुनाव अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र की अस्पष्टता तथा क्षेत्रीय अधिकारियों के अधिकारों के हनन को दर्शाता है। केंद्रीय चुनाव आयोग एक तरह से सभी अधिकारों का केंद्रीयकरण कर सारे अधिकार अपने पास रखता चला आ रहा है। यह मामला केवल तकनीकी भूल का नहीं है। लाखों नागरिकों के मताधिकार से वंचित होने का कारण भी बन रहा है। लोकतंत्र में वोट का अधिकार सर्वोपरि और मौलिक अधिकार में है। यदि सॉफ्टवेयर की खामी से मतदाताओं का अधिकार और चुनाव की निष्पक्ष प्रणाली प्रभावित होती है, तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। ऐसे में राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग की डिजिटल प्रणाली पर उठाए गए सवालों को अब महज राजनीतिक बयान कहकर खारिज नहीं किया जा सकता है। चुनाव आयोग को न केवल उनके आरोपों का जवाब देना होगा वरन जो गड़बड़ियां कर्नाटक और हरियाणा के संबंध में उनके द्वारा पत्रकार वार्ता के जरिए बताई गई हैं, उस पर अब जवाब देना चुनाव आयोग के लिए जरूरी हो गया है, तभी चुनाव की निष्पक्षता बनी रहेगी। समय की मांग है, चुनाव आयोग अपने सभी सॉफ्टवेयर और सभी ऐप जो चुनाव कार्य में उपयोग में लाए जा रहे हैं उनके सोर्स कोड को सार्वजनिक करे। सभी हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और प्रोग्राम का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट कराना इस परिस्थिति में जरूरी हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का बैंकिंग क्षेत्र मजबूत, लेकिन गैर-बैंक प्रतिस्पर्धा बढ़ने की चुनौती- आरबीआई

वित्त वर्ष 2024-25 में वाणिज्यिक बैंकों की लाभप्रदता मजबूत रही

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की प्रवृत्ति और प्रगति रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार भारत का बैंकिंग क्षेत्र मजबूत स्थिति में है। फंसा हुआ कर्ज 10 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है और बैंकों की पूंजी भी पर्याप्त बनी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में वाणिज्यिक बैंकों की लाभप्रदता मजबूत रही, जिसमें परिसंपत्ति पर रिटर्न 1.4 फीसदी और इक्विटी पर रिटर्न 13.5 फीसदी रहा। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में परिसंपत्ति पर रिटर्न 1.3 फीसदी और इक्विटी पर रिटर्न 12.5 फीसदी रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों को अब गैर-बैंक स्रोतों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। ऋण वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक होने की वजह से ऋण-जमा अनुपात 80 फीसदी से ऊपर पहुंच गया है। साथ ही, तेजी से बदलती तकनीक और डिजिटलीकरण ग्राहकों के बैंकिंग व्यवहार को बदल रहे हैं। आरबीआई ने बैंकों से साइबर खतरों सहित नए जोखिमों का आकलन मजबूत करने और भरोसेमंद तकनीक अपनाकर परिचालन कुशलता बढ़ाने का आग्रह किया है। रिपोर्ट में वित्तीय समावेशन, उपभोक्ता शिक्षा और सुरक्षा पर निरंतर जोर देने की आवश्यकता भी बताई गई है। शिक्षा ऋण और होम लोन की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, क्रेडिट कार्ड और वाहन ऋण की परिसंपत्ति गुणवत्ता कमजोर रही। बिना रेहन वाले ऋण में विदेशी बैंकों का हिस्सा सबसे अधिक बना रहा। एनबीएफसी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

भारत के सौर ऊर्जा उत्पादन ने 2025 में नए आयाम छुए

- सौर ऊर्जा के तेज़ विकास ने देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में अग्रणी बनाया

मुंबई । भारत के सौर ऊर्जा उत्पादन ने 2025 में नए आयाम छुए। 2020-21 में 5.6 गीगावॉट की सालाना सौर क्षमता 2024-25 में बढ़कर 23.8 गीगावॉट हो गई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर) में ही 27.2 गीगावॉट की नई क्षमता जुड़ चुकी है। नीति निर्माता और उद्योग विशेषज्ञ इसे प्रौद्योगिकी नवाचार और सरकारी पहल का परिणाम मानते हैं। सौर ऊर्जा के इस तेज़ विकास ने देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में अग्रणी बनाने में मदद की है। हालांकि, नवीकरणीय ऊर्जा के समग्र क्षेत्र में चुनौतियां भी दिखाई दीं। 2025 में आवंटित कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता घटकर केवल 5.8 गीगावॉट रह गई, जबकि पिछले साल यह लगभग 40 गीगावॉट थी। मुख्य कारण बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) द्वारा पावर पर्चेज़ एग्रीमेंट में देरी है। चूंकि नवीकरणीय परियोजनाएं शुरू होने में 2-3 साल लेती हैं, इस सुस्ती का असर 2028 में दिख सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि सौर ऊर्जा अभी चरम पर नहीं पहुंची है। बाजार के जानकार के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में 29.5 गीगावॉट की नवीकरणीय क्षमता बढ़ी, जिसमें सौर ऊर्जा का मुख्य योगदान रहा। भारत ने इस क्षेत्र में ताप और कोयला संयंत्रों के पुराने उच्चतम स्तर को पार कर लिया है। 2025 का साल भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए मिला-जुला साबित हुआ। एक ओर सौर ऊर्जा की सफलता ने उम्मीद जगाई, वहीं डिस्कॉम की देरी और नवीकरणीय परियोजनाओं में सुस्ती ने गंभीर सवाल खड़े किए। यह वर्ष ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य दोनों के लिए निर्णायक रहा।

चीनी उद्योग को स्वास्थ्य चेतावनी से खतरा, पाटिल ने जताई चिंता

- चीनी की मांग और आपूर्ति में उत्पन्न हो रहा है असंतुलन

पुणे । राष्ट्रीय सहकारी चीनी मिल महासंघ (एनएफसीएसएफ) के चेयरमैन हर्षवर्धन पाटिल ने चीनी को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताने की बढ़ती धारणा पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उनका कहना है कि यदि यह सोच व्यापक रूप से फैलती है, तो इससे पूरे चीनी उद्योग को गंभीर नुकसान हो सकता है। पाटिल ने कहा कि उद्योग की लगभग 90 प्रतिशत आय सीधे चीनी की बिक्री से आती है, जबकि उप-उत्पादों से मात्र 10-15 प्रतिशत आय होती है। ऐसे में मांग में गिरावट पूरी प्रणाली के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। कुछ इलाकों में चीनी को सिगरेट पैकेट जैसी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक चेतावनी के रूप में पेश किया जा रहा है। वैश्विक स्तर पर चीनी-आधारित पेय पदार्थों की खपत में गिरावट देखी जा रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने बताया कि उपभोक्ता अब तेजी से जीरो शुगर और डाइट विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। पाटिल ने स्वीकार किया कि स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ने के बावजूद चीनी उत्पादन

लगातार बढ़ रहा है, जिससे मांग और आपूर्ति में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। यह स्थिति मिलों, किसानों और श्रमिकों तीनों के लिए चिंता का विषय है।

ओला इलेक्ट्रिक की रोडस्टर एक्स प्लस को मिला सरकारी प्रमाणन

नई दिल्ली ओला इलेक्ट्रिक की नई मोटरसाइकिल रोडस्टर एक्स प्लस (9.1 किलोवाट-घंटे) को केंद्रीय मोटर वाहन नियम (सीएमवीआर), 1989 के तहत सरकारी प्रमाणन मिल गया है। इसे इंटरनेशनल

सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी) मानेसर ने मंजूरी दी है। कंपनी ने बताया कि प्रमाणन के बाद अब रोडस्टर एक्स प्लस की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। यह मोटरसाइकिल भारत में प्रमाणित होने वाली पहली इलेक्ट्रिक वाहन है, जिसमें पूरी तरह से ओला द्वारा विकसित 4680 भारत सेल बैटरी पैक का इस्तेमाल हुआ है। ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक के संपूर्ण निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी का लक्ष्य है कि भारत में उच्च तकनीकी और विश्वसनीय इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण बढ़ाया जाए।

सरकार एलपीजी सब्सिडी फॉर्मूले में बदलाव पर कर रही है विचार

नए फॉर्मूले में अमेरिकी बेंचमार्क प्राइस और शिपिंग लागत को शामिल करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली

केंद्र सरकार घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की सब्सिडी के फॉर्मूले में बदलाव करने पर विचार कर रही है। फिलहाल सब्सिडी सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) पर आधारित होती है। सरकार तय करती है कि घरेलू बाजार में सिलेंडर की कीमत कितनी होगी, और बाजार मूल्य से कम कीमत पर होने वाले नुकसान की भरपाई सब्सिडी से की जाती है। सरकारी तेल कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने अमेरिका से सालाना 2.2 मिलियन मीट्रिक टन एलपीजी का टर्म कॉन्ट्रैक्ट किया है। यह भारत के कुल आयात का करीब 10 फीसदी है। इससे पहले अमेरिका से खरीद मुख्य रूप से स्पॉट मार्केट के जरिए होती थी। अमेरिका से एलपीजी का शिपिंग खर्च सऊदी अरब की तुलना में

चार गुना अधिक है। नए फॉर्मूले में अमेरिकी बेंचमार्क प्राइस और शिपिंग लागत को शामिल करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य एलपीजी की वास्तविक लागत को घरेलू कीमतों में सही तरीके से दर्शाना है। दिल्ली में 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर की कीमत 853 रुपए है, जिसमें उज्ज्वला योजना के तहत 300 रुपए की सब्सिडी शामिल है। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1580.50 रुपए है।

बैंकिंग शेयरों में तेजी, भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में सपाट बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 20.46 अंक की गिरावट के साथ 84,675.08 और निफ्टी 3.25 अंक की कमजोरी के साथ 25,938.85 पर था। जहां मंगलवार को बाजार को संभालने का काम बैंकिग शेयरों ने किया। निफ्टी बैंक 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,171.25 पर बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, पीएसयू बैंक और मेटल शेयरों में तेजी दिखाई दी।

दूसरी ओर आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, रियल्टी, मीडिया और एनर्जी इंडेक्स गिरकर बंद हुए। स्मॉलकैप और मिडकैप भी हल्की गिरावट के साथ कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,914.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,518.95 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, भारतीय एयरटेल, एसबीआई, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स और सन फार्मा टॉप खिलाड़ी थे। इटरनल (जोमैटो), इंडिगो, इंफोसिस, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, आईटीसी, टाइटन और ट्रेंट कमजोर खिलाड़ी साबित हुए थे। व्यापक बाजार में कमजोरी बनी हुई है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,918 शेयर हरे निशान में, 2,260 शेयर लाल निशान में और 169 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए हैं।

बाजार के जानकारों के मुताबिक घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव जारी है।

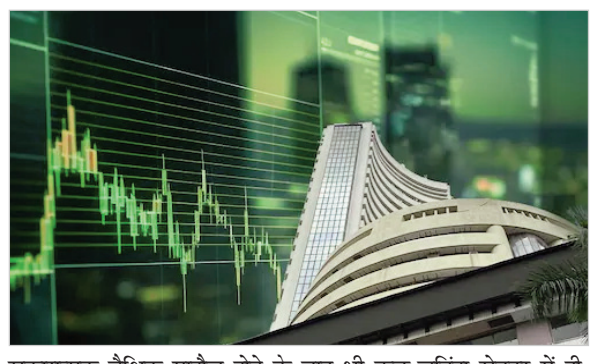

सकारात्मक वैश्विक माहौल होने के बाद भी कुछ चुनिंदा सेक्टर में ही खरीदारी हो रही है। एफआईआई की लगातार बिकवाली के कारण बाजार पर दबाव बना हुआ है। आने वाले समय में बाजार एक सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। इसकी मुख्य वजह भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक वार्ता के नतीजे में देरी और तीसरी तिमाही के नतीजों का इंतजार है।

भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबारी सत्र में खबर लिखने तक 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 136 अंक की गिरावट के साथ 84,559.40 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जबकि एनएसई निफ्टी 48.90 अंक गिरकर 25,893.20 पर था

भारत में महंगाई में नरमी, आरबीआई मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण में बदलाव की तैयारी में

खाद्य कीमतों में गिरावट और जीएसटी कटौती से महंगाई नियंत्रित

नई दिल्ली

भारत में इस वर्ष खुदरा महंगाई स्थिर बनी रही और भारतीय रिजर्व बैंक के सहज दायरे के भीतर रही। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी और सरकार द्वारा करीब 400 वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी की दरों में कटौती के कारण कीमतों का दबाव कम हुआ। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति भी साल भर घटती रही, विशेषकर खाद्य और ईंधन क्षेत्रों में। सीपीआई आधारित खाद्य महंगाई का देश में लगभग 48 प्रतिशत योगदान है। जनवरी में यह करीब छह प्रतिशत पर थी, लेकिन जून तक शून्य से नीचे आ गई। नवंबर में खाद्य महंगाई -3.91 प्रतिशत रही, जो दर्शाता है कि खाद्य कीमतों में गिरावट जारी रही। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित कुल मुद्रास्फीति नवंबर 2024 से घटती रही और जून 2025 तक आरबीआई के सहज दायरे में बनी रही। सरकार फरवरी 2026 तक नई सीपीआई श्रृंखला जारी करने की तैयारी कर रही है। नई श्रृंखला में कवरेज, मदों की सूची, भार और कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार होंगे। इसका उद्देश्य मुद्रास्फीति आंकड़ों की सटीकता, विश्वसनीयता और प्रतिनिधित्व क्षमता बढ़ाना है। ऋद्ध भी मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचे में संभावित बदलाव पर विचार कर रहा है। आरबीआई के गवर्नर के अनुसार 2026-27 की पहली छमाही में मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है। क्रिसिल और अन्य

विशेषज्ञों का कहना है कि बेस इफेक्ट के कारण वित्त वर्ष 2026-27 में सीपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर लगभग पांच प्रतिशत हो सकती है, जबकि ब्याज दरें 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रहने की संभावना है। आरबीआई की अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति बैठक 4 से 6 फरवरी 2026 के बीच होने वाली है।

एयर और वाटर प्यूरीफायर 15 फीसदी तक हो सकते हैं सस्ते

जीएसटी काउं सिल की बैठक में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली

सूत्रों के अनुसार जीएसटी काउंसिल अपनी अगली बैठक में एयर और वाटर प्यूरीफायर पर 18 फीसदी जीएसटी घटाकर 5 फीसदी करने पर विचार कर सकती है। इससे इन उत्पादों को आवश्यक वस्तुओं की श्रेणी में शामिल करने की संभावना भी है। उद्योग का अनुमान है कि कीमतों में 10-15 फीसदी तक कमी आएगी, जिससे कम आय वाले परिवारों के लिए साफ हवा और सुरक्षित पानी तक पहुंच आसान होगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने 24 दिसंबर को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि जीएसटी घटाने पर विचार के लिए काउंसिल की बैठक जल्द बुलाई जाए। अदालत ने वर्चुअल बैठक की संभावना भी सुझाई। इस पर राजनीतिक दबाव भी बढ़ा है; पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई उद्योग संगठनों ने कटौती की मांग की। जीएसटी में किसी बदलाव के लिए राज्यों के वित्त मंत्रियों की सहमति जरूरी होगी। संसदीय स्थायी समिति ने भी रिपोर्ट में सिफारिश की है कि स्वच्छ हवा और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने वाले उत्पादों पर जीएसटी घटाया या समाप्त किया जाए।

आईआईटी कानपुर के 2000 बैच ने दिया 100 करोड़ का अभूतपूर्व दान

कानपुर

आईआईटी कानपुर के वर्ष 2000 बैच के पूर्व छात्रों ने सिल्वर जुबली पुनर्मिलन समारोह में संस्थान को 100 करोड़ रुपये की महा गुरुदक्षिणा देने की घोषणा की। यह पहली बार है कि किसी एक बैच ने एक ही वर्ष में इतना बड़ा योगदान दिया है। यह राशि मिलेनियम स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी की स्थापना के लिए उपयोग की जाएगी। संस्थान के निदेशक ने इसे पूर्व छात्रों और संस्थान के अटूट संबंध का प्रमाण बताया। उनका कहना है कि यह सहयोग शैक्षणिक और शोध परिदृश्य को मजबूत करेगा और तकनीकी विकास के नए रास्ते खोलेगा। पिछले वर्ष आईआईटी कानपुर को कुल 265.24 करोड़ रुपये मिले, जबकि मेडिकल साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी स्कूल को लगभग 500 करोड़ रुपये का दान मिला। अन्य संस्थानों में भी योगदान बढ़ रहा है आईआईटी बीएचयू को 5 वर्षों में 100 करोड़ रुपये, और एमएनएनआईटी प्रयागराज में स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर निर्माण के

लिए दान। पूर्व छात्रों द्वारा सहयोग की यह लहर सिर्फ कानपुर तक सीमित नहीं है। इसी साल 21 दिसंबर को आईआईटी कानपुर के 1986 बैच ने मानसिक स्वास्थ्य और सामुदायिक सुविधाओं के लिए 11 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा आईआईटी बीएचयू को पिछले पांच वर्षों में 100 करोड़ रुपये से अधिक का दान मिला है, जिससे लाइब्रेरी और शोध केंद्र जैसे प्रोजेक्ट्स बन रहे हैं। वहीं एमएनएनआईटी प्रयागराज में 1998 बैच के सहयोग से अत्याधुनिक स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर का निर्माण हो रहा है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की पे-डे सेल, ट्रेन के खर्चे में करें हवाई सफर

सेल केवल 1 जनवरी 2026 तक चलेगी

नई दिल्ली

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 2026 के लिए अपनी बहुप्रतीक्षित 'पे-डे सेल' शुरू कर दी है। यह सेल केवल 1 जनवरी 2026 तक चलेगी। घरेलू उड़ानों की बुकिंग 12 जनवरी से 10 अक्टूबर 2026 तक की यात्रा के लिए की जा सकती है, जबकि अंतरराष्ट्रीय टिकट 12 जनवरी से 31 अक्टूबर 2026 तक के लिए उपलब्ध हैं। इससे यात्री अपनी गर्मियों या छुट्टियों की यात्रा की योजना पहले से बना सकते हैं। घरेलू उड़ानों के लिए शुरुआती किराया केवल 1,950 रुपए रखा गया है। प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोच्चि के लिए रियायती टिकट उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर टिकट की शुरुआती कीमत 5,355 रुपए है, जिसमें मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के लोकप्रिय गंतव्य जैसे दुबई, मस्कट और सिंगापुर शामिल हैं। लाइट ट्रैवलर्स के लिए बिना चेक-इन बैग वाले टिकट का किराया घरेलू रूट पर 1,850 रुपए और अंतरराष्ट्रीय रूट पर 5,355 रुपए से शुरू हो रहा है। जरूरत पड़ने पर 15 किलो घरेलू बैग 1,500 रुपए और 20 किलो अंतरराष्ट्रीय बैग 2,500 रुपए में जोड़ा जा सकता है। मोबाइल ऐप से बुकिंग करने पर जीरो कंवीनियंस फीस का लाभ मिलता है, जिससे टिकट पर 300-500 रुपये तक की बचत होती है। लॉयल्टी मेंबर्स के लिए बिज़नेस क्लास में 25 फीसदी तक की छूट भी दी जा रही है। इसके अलावा यात्री बाय नाउ, पे लेटर या ईएमआई विकल्प से टिकट आसानी से बुक कर सकते हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ट्रेड डील से मिलेगी राहत, 1 जनवरी से टैरिफ खत्म

भारतीय उत्पाद ऑस्ट्रेलिया में बिना किसी कस्टम ड्यूटी के बेचे जा सकेंगे

मुंबई भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) के तहत 1 जनवरी 2026 से ऑस्ट्रेलिया अपनी सभी टैरिफ लाइनों पर ड्यूटी पूरी तरह खत्म करेगा। इसका मतलब है कि भारतीय उत्पाद ऑस्ट्रेलिया में बिना किसी कस्टम ड्यूटी के बेचे जा सकेंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इससे भारत के श्रम-आधारित सेक्टर के लिए नए अवसर खुलेंगे और निर्यात को नई गति मिलेगी। मंत्री के अनुसार मैन्युफैक्चरिंग, केमिकल्स, टेक्सटाइल्स, प्लास्टिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोलियम उत्पाद और जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे सेक्टर्स इससे खास फायदा उठाएंगे। अप्रैल-नवंबर 2025 में जेम्स और ज्वेलरी के निर्यात में 16 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात 8 फीसदी बढ़ा, जिससे व्यापार संतुलन में सुधार हुआ। मंत्री गोयल ने कहा कि बीते तीन वर्षों में ईसीटीए से निर्यात में लगातार बढ़ोतरी हुई और सप्लाई चेन मजबूत हुई, जिससे एमएसएमई, किसान और श्रमिक सीधे लाभान्वित हुए। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव के चलते 27 अगस्त 2025 से भारतीय निर्यात पर अमेरिका ने 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। ऐसे समय में ऑस्ट्रेलिया के साथ यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए नई संभावनाओं का रास्ता खोलता है और निर्यात बाजारों में विविधता बढ़ाता है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की पे-डे सेल, ट्रेन के खर्चे में करें हवाई सफर

सेल केवल 1 जनवरी 2026 तक चलेगी
नई दिल्ली ।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 2026 के लिए अपनी बहुप्रतीक्षित 'पे-डे सेल' शुरू कर दी है। यह सेल केवल 1 जनवरी 2026 तक चलेगी। घरेलू उड़ानों की बुकिंग 12 जनवरी से 10 अक्टूबर 2026 तक की यात्रा के लिए की जा सकती है, जबकि अंतरराष्ट्रीय टिकट 12 जनवरी से 31 अक्टूबर 2026 तक के लिए उपलब्ध हैं। इससे यात्री अपनी गर्मियों या छुट्टियों की यात्रा की योजना पहले से बना सकते हैं। घरेलू उड़ानों के लिए शुरुआती किराया केवल 1,950 रुपए रखा गया है। प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोच्चि के लिए रियायती टिकट उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर टिकट की शुरुआती कीमत 5,355 रुपए है, जिसमें मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के लोकप्रिय गंतव्य जैसे दुबई, मस्कट और सिंगापुर शामिल हैं। लाइट ट्रैवलर्स के लिए बिना चेक-इन बैग वाले टिकट का किराया घरेलू रूट पर 1,850 रुपए और अंतरराष्ट्रीय रूट पर 5,355 रुपए से शुरू हो रहा है। जरूरत पड़ने पर 15 किलो घरेलू बैग 1,500 रुपए और 20 किलो अंतरराष्ट्रीय बैग 2,500 रुपए में जोड़ा जा सकता है। मोबाइल ऐप से बुकिंग करने पर जीरो कंवीनियंस फीस का लाभ मिलता है, जिससे टिकट पर 300-500 रुपये तक की बचत होती है। लॉयल्टी मेंबर्स के लिए बिज़नेस क्लास में 25 फीसदी तक की छूट भी दी जा रही है। इसके अलावा यात्री बाय नाउ, पे लेटर या ईएमआई विकल्प से टिकट आसानी से बुक कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेफाली वर्माकी आईसीसी टी20आई रैंकिंग में बड़ी छलांग, टॉप-6 में हुई एंट्री

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा को मंगलवार को आईसीसी द्वारा जारी नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है, क्योंकि वह छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद, दाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर छठा स्थान हासिल किया है।

21 वर्षीय वर्मा श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। चार मैचों में, भारतीय सलामी बल्लेबाज ने 118 के आश्चर्यजनक औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। वर्मा इस टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी साथी खिलाड़ी और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष भी सात पायदान ऊपर चढ़कर अद्यतन सूची में संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर पहुंच गईं। यह उपलब्धि उन्होंने तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेली गई नाबाद 40 रन की पारी के बाद हासिल की।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी 794 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं। वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज 774 रेटिंग अंकों के साथ उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन का आंकड़ा पार किया, 767 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और स्पिनर श्री चरानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है।

दाएं हाथ की तेज गेंदबाज रेणुका, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए, आठ पायदान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की अद्यतन सूची में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर पहुंच गईं। श्रीलंका के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज में चार विकेट लेने वाली बाएं हाथ की स्पिनर चरानी गेंदबाजी रैंकिंग में 17 पायदान ऊपर चढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 738 की रेटिंग के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। इसके अलावा, अनुभवी ऑलराउंडर को महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनने के लिए श्रीलंका के खिलाफ आगामी पांचवें टी20 मैच में एक और विकेट की जरूरत है। फिलहाल, दीप्ति के नाम 151 विकेट हैं, जो ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के 151 विकेट के बराबर हैं।

टेनिस जगत के नए 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में किर्गियोस ने सबालेंका को हराया

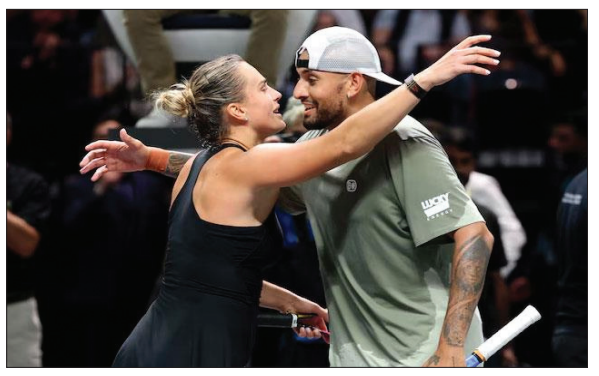

दुबई (एजेंसी)। निक किर्गियोस ने टेनिस में 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' यानी दो अलग-अलग लिंग के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-3, 6-3 से हराया। यह एक प्रदर्शनी मैच था जिसे लैंगिक समानता के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण के बजाय हल्के फुल्के मनोरंजन के लिए याद किया जाएगा।

दोनों खिलाड़ी आपस में हंसी ठिठोली कर रहे थे। इस दौरान कुछ अंडर आर्म सर्विस भी देखने को मिली। यहां तक कि दुबई के 17,000 सीटों वाले कोकाकोला एरीना में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए टाइमआउट के दौरान सबालेंका का नृत्य भी देखने को मिला। इस मुकाबले के सबसे महंगे टिकट लगभग 800 डॉलर में बिके।

विंबलडन 2022 के उपविजेता किर्गियोस ने कलाई और घुटने की चोटों के कारण पिछले तीन वर्षों में केवल छह टूर-स्तरीय मैच खेले लेकिन वह कई बार अपनी क्षमता के अनुरूप खेलते हुए दिखाई दिए। उन्हें सबालेंका के कोर्ट के हिस्से के लगभग 10 प्रतिशत छोटे होने का नुकसान उठाना पड़ा लेकिन इसके बावजूद उन्होंने जीत दर्ज की। खिलाड़ियों को प्रत्येक प्वाइंट के लिए दो के बजाय केवल एक सर्विस करने का मौका दिया गया था। जब किर्गियोस ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की तब तक वह पसीने से भीग चुके थे और दोनों खिलाड़ी नेट पर गले मिलते समय मुस्कुरा रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी किर्गियोस ने मैच के बाद कहा, 'मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था लेकिन मुझे लगता है कि यह टेनिस के खेल के लिए एक शानदार कदम है।'

सबालेंका ने कहा, 'यह मैच अगले सत्र के लिए अच्छी तैयारी है। मुझे इसमें बहुत मजा आया और मुझे लगता है कि अगली बार जब मैं उनके खिलाफ खेलूंगी तो मुझे उनकी रणनीति, उनकी ताकत और उनकी कमजोरियों के बारे में पता होगा और यह निश्चित रूप से एक बेहतर मुकाबला होगा।' तथाकथित 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' नाम 1973 में बिली जीन किंग और बॉबी रिग्स के बीच हुए मैच से लिया गया था। किंग ने ह्यूस्टन एस्ट्रोडोम में खेले गए उस मुकाबले को सीधे सेटों में जीता था।

पीसीबी ने अजहर महमूद से समय से पहले किया करार खत्म

– पाकिस्तान टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला कर लिया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन बोर्ड ने उससे पहले ही यह अहम कदम उठा लिया। गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान की टेस्ट टीम अपना अगला मुकाबला भी मार्च 2026 में ही खेलने वाली है, ऐसे में पीसीबी का यह फैसला कई सवाल खड़े करता है।

पीसीबी से जुड़े एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, बोर्ड भविष्य की रणनीति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लेना चाहता है। सूत्र ने बताया कि अजहर महमूद का अनुबंध भले ही मार्च 2026 में खत्म होना था, लेकिन पाकिस्तान के आगामी टेस्ट दौरे भी उसी समय से शुरू होंगे। ऐसे में बोर्ड पहले से नए मुख्य कोच की तलाश शुरू कर देना चाहता है, ताकि आगे की तैयारियों में किसी तरह की जल्दबाजी न करनी पड़े। अजहर महमूद को दो साल के करार पर नियुक्त किया गया था और उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली थी।

सूत्रों का यह भी कहना है कि पीसीबी केवल मुख्य कोच ही नहीं, बल्कि टेस्ट टीम के सहायक कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव कर सकता है। बोर्ड चाहता है कि नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र से पहले टीम का पूरा ढांचा स्पष्ट और स्थिर हो। पाकिस्तान का अगला टेस्ट अभियान आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत मार्च 2026 में बांग्लादेश के दौरे से शुरू होगा। इसके बाद टीम जुलाई में वेस्टइंडीज और अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड का दौरा करेगी। आगे चलकर पाकिस्तान नवंबर-दिसंबर 2026 में श्रीलंका और मार्च 2027 में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा, जो टीम के लिए बेहद अहम सीरीज होंगी। 50 वर्षीय अजहर महमूद का अंतरराष्ट्रीय करियर काफी अनुभवपूर्ण रहा है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 21 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उनके नाम 900 रन और 39 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा उन्होंने 143 वनडे मैचों में 1521 रन बनाए और 123 विकेट हासिल किए। अजहर को इससे पहले आकिब जावेद की जगह राष्ट्रीय टेस्ट टीम का कोच बनाया गया था। अब उनके अचानक हटाए जाने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि पीसीबी किस अनुभवी नाम पर भरोसा जताता है और क्या यह बदलाव पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट की दिशा बदल पाएगा।

अश्विन ने वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा को बताया साल का असली सितारा

– मिलाजुला रहा भारत का 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम इंडिया ने साल की शुरुआत शानदार अंदाज में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर की और इसके बाद एशिया कप पर भी कब्जा जमाया। टी20 फॉर्मेट में भारत का दबदबा कायम रहा और टीम पूरे साल कोई भी टी20 सीरीज नहीं हारी। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ 0-2 की हार ने फैंस को निराश किया, जबकि इंग्लैंड दौरे पर भारत ने कड़ी मेहनत के बाद टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। इस पूरे साल के प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दो ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जिन्होंने 2025 में अपनी शानदार खेल से सबका ध्यान खींचा।

अश्विन ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को 2025 का भारत का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज करार दिया। अपने यूट्यूब चैनल पर उन्होंने कहा कि वरुण हर बार टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हुए हैं। जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने विकेट निकालकर मैच का रुख बदला। अश्विन के मुताबिक, विपक्षी बल्लेबाजों के लिए वरुण को पढ़ पाना बेहद मुश्किल रहा है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की संभावनाओं के लिहाज से वरुण चक्रवर्ती की भूमिका बेहद अहम होने वाली है। आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं, क्योंकि वरुण ने चार वनडे मैचों में 10 विकेट और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 36 विकेट लेकर खुद को व्हाइट-बॉल क्रिकेट का भरोसेमंद गेंदबाज साबित किया है।

अश्विन ने बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा की भी जमकर सराहना की। उन्होंने अभिषेक को भारत की अगली पीढ़ी का एक्स-फैक्टर खिलाड़ी बताया। अश्विन का मानना है कि 2025 में अगर किसी एक खिलाड़ी ने भारत के लिए सबसे ज्यादा प्रभावित किया है तो वह अभिषेक शर्मा हैं। लेफ्ट-हैंड ओपनर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 मैचों में 42.95 की औसत और करीब 193 के स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने भारत को कई मुकाबलों में मजबूत शुरुआत दिलाई।

साल 2025 में एक दौर ऐसा भी आया जब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के करियर को लेकर सवाल उठने लगे थे। दोनों ही खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन साल के अंत तक उन्होंने दिखा दिया कि वनडे क्रिकेट में उनके पास अभी भी बहुत कुछ देने के लिए बाकी है। अश्विन ने कहा कि रोहित और विराट दोनों के भीतर 50 ओवर का वर्ल्ड कप जीतने की जबरदस्त भूख है और वे 2027 वर्ल्ड कप को लक्ष्य बनाकर पूरी मेहनत कर रहे हैं। उनके मुताबिक, फैंस को इन दिग्गजों के हर मैच का आनंद लेना चाहिए, क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट के कई दौरों को नई पहचान दी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बुमराह, पंड्या को आराम दे सकता है भारत

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता जनवरी की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर सकते हैं। इसमें फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट और बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को जगह दी जाएगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय मुकाबले बड़ौदा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेंगी, जो फरवरी 2026 में होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए अभ्यास को देखते हुए बेहद अहम रहेगी।

गावस्कर ने आईसीसी की पिच रेटिंग प्रणाली पर सवाल उठाये

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पिच रेटिंग प्रणाली पर निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा कि एशेज में मैच दो से तीन दिन में खत्म हो रहे हैं पर पिचों को लेकर आईसीसी ने कोई सख्त प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं जब ऐसा भारत या अन्य एशियाई देशों में होता है तो पिचों को खराब करार दे दिया जाता है। गावस्कर ने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला गया चौथा एशेज टेस्ट दो दिन में ही समाप्त हो गया था। इसमें पहले ही दिन कुल 20 विकेट गिर गए, जो ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट के पहले दिन गिरे विकेटों के हिसाब से सबसे अधिक था। वहीं दूसरे दिन भी 16 और विकेट गिरे, जिसके बाद मुकाबला दो दिन भी नहीं चल पाया। इसके बाद भी आईसीसी ने पिच को खराब नहीं बताया। गावस्कर ने पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का भी मामल उठाया और कहा कि उसमें भी मैच दो दिन के अंदर समाप्त हो गया था। तब भी आईसीसी ने कोई नकारात्मक प्रतिक्रिय नहीं दी। गावस्कर ने मैच रेफरी पर भी सवाल उठाये और कहा कि पर्थ टेस्ट में रंजन मदुगले के रहते पिच को काफी अच्छा कहा गया, जबकि मेलबर्न टेस्ट में नए मैच रेफरी जेफ क्रो होने के कारण उसी तरह की पिच को केवल अच्छा कहा गया जबकि दोनो ही मैच दो दिन ही चले। गावस्कर ने कहा कि दूसरी ओर अगर ऐसा ही कुछ भारतीय पिचों पर होता है तो क्यूरेटरों पर सवाल उठाये जाते हैं। गावस्कर ने कहा कि पर्थ और मेलबर्न की पिचों को कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी खराब बताया था फिर भी आईसीसी ने कोई कठोर प्रतिक्रिया नहीं दी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की सेमीफाइनलिस्ट टीमों को लेकर हरभजन सिंह की भविष्यवाणी

– कहा पाकिस्तान बाहर तो अफगानिस्तान अंतिम चार में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आयोजन में अभी समय बाकी है, लेकिन उससे पहले ही पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बड़े टूर्नामेंट को लेकर अपनी भविष्यवाणी कर दी है। फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस 20 टीमों के टूर्नामेंट को लेकर भज्जी ने चार संभावित सेमीफाइनलिस्ट टीमों के नाम बताए हैं। खास बात यह है कि उनकी सूची में डिफेंडिंग चैंपियन भारत के साथ एक ऐसी टीम भी शामिल है, जिसने सबको चौंका दिया है। हरभजन ने पाकिस्तान को बाहर रखते हुए अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीमों में चुना है।

हरभजन सिंह की इस भविष्यवाणी में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान को सेमीफाइनलिस्ट बताया गया है। पाकिस्तान को बाहर करने और अफगानिस्तान को आगे रखने का फैसला कई लोगों को हैरान कर सकता है, क्योंकि आईसीसी टी20 रैंकिंग में पाकिस्तान सातवें जबकि अफगानिस्तान दसवें स्थान पर है। हालांकि, हाल के वर्षों में अफगानिस्तान ने आईसीसी टूर्नामेंट्स में अपने प्रदर्शन से यह साबित किया है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में किसी भी बड़ी टीम को चुनौती दे सकता है। मजबूत स्पिन अटैक और निडर क्रिकेट उसकी पहचान बन चुकी है।

एक मीडिया से बातचीत में हरभजन सिंह ने भारत को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के पास टी20 वर्ल्ड कप जीतने का शानदार मौका है, क्योंकि वह घरेलू परिस्थितियों में खेलेगी और बाकी टीमों की तुलना में हालात को बेहतर तरीके से समझती है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्ल्ड कप का दबाव हमेशा एक अलग चुनौती होता है और इसे संभालना सबसे अहम पहलू होगा। अगर भारतीय टीम इस दबाव को सही ढंग से झेल लेती है, तो उसका खिताब जीतना पूरी तरह संभव है।

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में अपना पहला टी20 खिताब जीता था, जबकि भारत 2007 और 2024 में दो बार चैंपियन बन चुका है। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान अभी भी अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप खिताब की तलाश में हैं। साउथ अफ्रीका ने 2024 में पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन उसे भारत के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हरभजन सिंह ने 2026 वर्ल्ड कप के लिए भारत के कुछ अहम खिलाड़ियों का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक अभिषेक शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह इस टूर्नामेंट में भारत की सफलता की कुंजी होंगे। अभिषेक शर्मा के लिए यह पहला टी20 वर्ल्ड कप होगा, जबकि बाकी चार खिलाड़ी 2024 में भारत को चैंपियन बनाने में निर्णायक भूमिका निभा चुके हैं।

एशले गार्डनर का भरोसा, खिताब न होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एशले गार्डनर का मानना है कि भले ही उनकी टीम इस समय टी20 या वनडे फॉर्मेट की मौजूदा चैंपियन न हो, लेकिन इसके बावजूद ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनी हुई है। गार्डनर ने कहा कि हाल के आईसीसी टूर्नामेंट्स में मिली हार ने टीम पर एक ऐसा दबाव डाला है, जिसकी उसे आदत नहीं रही, लेकिन यही दबाव उन्हें और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि फरवरी में जब ऑस्ट्रेलिया घरेलू धरती पर भारत की मेजबानी करेगा, तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। गार्डनर ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा कि पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपेक्षा से ज्यादा दबाव झेलना पड़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि टी20 और वनडे विश्व कप में मिली हार आसान नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद उनका भरोसा अपनी टीम की ताकत पर कायम है। गार्डनर के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया अब भी ऐसी टीम है जो किसी भी हालात में मुकाबला पलटने की क्षमता रखती है और यही उसे बाकी टीमों से अलग बनाती है। ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी और मार्च में भारत की मेजबानी करेगा, जहां दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, तीन वनडे और एक टेस्ट मैच की सीरीज खेली जाएगी। गार्डनर ने कहा कि भारत इस दौरे पर पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगा और ऐसा होना स्वाभाविक भी है, क्योंकि हाल के समय में भारतीय टीम ने बेहतरीन क्रिकेट खेली है। उन्होंने याद दिलाया कि विश्व कप से पहले की वनडे सीरीज में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी चुनौती दी थी और फिर विश्व कप के सेमीफाइनल में भी भारत का पलड़ा भारी रहा था। गार्डनर ने माना कि घरेलू परिस्थितियों में खेलने का फायदा ऑस्ट्रेलिया को मिलेगा, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत को किसी भी तरह से कमतर आंकना बड़ी भूल होगी। उनके अनुसार, भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई हालात को तेजी से समझने की कोशिश कर रही है, जबकि मेजबान टीम इन परिस्थितियों से बेहतर वाकिफ है। ऐसे में मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पिछले 12 से 18 महीनों में ऑस्ट्रेलिया ने केवल दो मैच गंवाए हैं और दोनों ही सेमीफाइनल थे। गार्डनर के मुताबिक, यह आंकड़ा टीम की निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है। हालांकि, 2024 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार अभी भी टीम के लिए एक सबक है, जिससे सीख लेकर ऑस्ट्रेलिया आगे और मजबूत होकर लौटना चाहता है।

विजय हजारे ट्रॉफी में अमन खान का महंगा स्पेल बना चर्चा का विषय, सीएसके की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल टीमों में शुमार चेन्नई सुपर किंग्स के खेमे में उस समय हलचल मच गई, जब विजय हजारे ट्रॉफी से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई। पुडुचेरी के कप्तान अमन खान ने झारखंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जिसे कोई भी गेंदबाज अपने नाम नहीं करना चाहेगा। 29 दिसंबर को खेले गए इस लिस्ट ए मैच में अमन खान ने अपने पूरे दस ओवर के स्पेल में 123 रन लुटा दिए, जो लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास का सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल साबित हुआ। अमन खान को आईपीएल 2026 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने 40 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया है। इससे पहले वह कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रह चुके हैं। ऐसे में उनके इस प्रदर्शन ने सीएसके मैनेजमेंट और फैंस दोनों को चिंता में डाल दिया है। विजय हजारे ट्रॉफी के इस मुकाबले में अमन ने न सिर्फ जमकर रन दिए, बल्कि दस ओवर पूरे करने के बावजूद सिर्फ एक ही विकेट हासिल कर सके। उन्होंने दो वाइड भी फेंकी, जिससे उनका स्पेल और ज्यादा महंगा नजर आया।

रोको का टेस्ट से संन्यास स्वाभाविक नहीं, उथप्पा के बयान से फिर गरमाई बहस

- संन्यास को लेकर उठे सवाल आज भी नहीं थम रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े सितारे रोहित शर्मा और विराट कोहली भले ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हों, लेकिन उनके संन्यास को लेकर उठे सवाल आज भी थमे नहीं हैं। टेस्ट से रिटायरमेंट के सात महीने बाद भी यह बहस जारी है कि क्या दोनों दिग्गजों ने अपनी मर्जी से यह फैसला लिया था या परिस्थितियों ने उन्हें इसके लिए मजबूर कर दिया। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के बयान ने इस चर्चा को एक बार फिर हवा दे दी है। उथप्पा का मानना है कि विराट और रोहित का टेस्ट क्रिकेट से जाना किसी भी तरह से 'नेचुरल एग्जिट' यानी स्वाभाविक विदाई नहीं लगता। मई महीने में आईपीएल 2025 के दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने कुछ ही दिनों के अंतराल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। सबसे पहले रोहित शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी थी। यह घोषणा ऐसे समय पर सामने आई थी, जब खबरें आ रही थीं कि इंग्लैंड दौरे से पहले बीसीसीआई के चयनकर्ता उन्हें टेस्ट कप्तानी से हटाने पर विचार कर रहे हैं। फैंस अभी रोहित के संन्यास के कारणों को समझने की कोशिश कर ही रहे थे कि विराट कोहली ने भी टेस्ट से रिटायरमेंट का ऐलान कर सभी को हैरान कर दिया।

विराट कोहली का फैसला इसलिए भी ज्यादा चौंकाने वाला माना गया क्योंकि वह इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में जुटे हुए थे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शतक जड़ने के बाद उनका आत्मविश्वास ऊंचाई पर था और माना जा रहा था कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में वह एक बार फिर बड़ी पारियां खेलना चाहते हैं। दिल्ली के रणजी कोच सरनदीप सिंह ने भी दावा किया था कि कोहली इंग्लैंड दौरे को लेकर बेहद उत्साहित थे और पूरी तैयारी कर रहे थे। रॉबिन उथप्पा ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह फैसला किसी भी तरह से स्वाभाविक नहीं लगता। उथप्पा के मुताबिक, यह कहना मुश्किल है कि दोनों पर किसी तरह का दबाव था या नहीं, लेकिन यह साफ है कि यह 'नेचुरल एग्जिट' नहीं था। उनका मानना है कि असली सच्चाई तभी सामने आएगी, जब विराट और रोहित खुद सही समय पर इसे साझा करने का फैसला करेंगे।

उथप्पा ने यह भी कहा कि जब रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब उन्हें लगा था कि रोहित को कुछ समय

का ब्रेक लेकर फिटनेस और मानसिक मजबूती पर काम करना चाहिए। उनके अनुसार, विराट और रोहित दोनों की आंखों में आज भी रन बनाने की भूख साफ नजर आती है। यही वजह है कि उनके अचानक लिए गए इस फैसले को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है और यह बहस शायद तब तक चलती रहेगी, जब तक दोनों दिग्गज खुद अपनी चुप्पी नहीं तोड़ते।

पिकल बॉल टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा पिकल बॉल टूर्नामेंट का आयोजन वेसु स्थित सीबी पटेल स्पोर्ट्स क्लब में किया गया। आयोजन में 455 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अलग-अलग ग्रुप में विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टाटनवाला, सचिव बृजमोहन अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, श्याम सुंदर सिहोटिया, युवा शाखा के अध्यक्ष देवन अग्रवाल, सचिव नवीन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रौनक अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

न्यू जर्सी में दो हेलिकॉप्टर हवा में टकराए; एक पायलट की मौत, दूसरा गंभीर

न्यू जर्सी , एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित हैमॉन्टन में रविवार को दो हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गए। हादसे में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टर में सिर्फ पायलट ही सवार थे। हैमॉन्टन पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11:25 बजे हेलिकॉप्टर हादसे की सूचना मिली। मौके से सामने आए वीडियो में एक हेलिकॉप्टर तेजी से गोल-गोल घूमते हुए जमीन की ओर गिरता दिखा। टक्कर के बाद एक हेलिकॉप्टर में आग लग गई, जिसे पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने बुझाया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के अनुसार, यह टक्कर हैमॉन्टन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट के ऊपर हुई। इसमें एनस्ट्रॉम एफ-28ए और एनस्ट्रॉम 280 सी मॉडल के हेलिकॉप्टर शामिल थे। एक पायलट की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरे को जानलेवा चोटों के साथ अस्पताल ले जाया गया। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) हादसे की जांच करेंगे। पूर्व एफएए और एनटीएसबी जांचकर्ता एलन डील के मुताबिक, शुरुआती जांच में यह देखा जाएगा कि क्या दोनों पायलटों के बीच कोई संचार हुआ था या नहीं और क्या वे एक-दूसरे को देख पा रहे थे।

महिला प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी पर बढ़ा बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में महिला प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी को लेकर मानवाधिकार संकट गहराने के आरोप लगे हैं। मंझू शोरी इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर पुलिस कार्रवाई की बलूचिस्तान बार काउंसिल ने कड़ी निंदा की है। रिपोर्ट के अनुसार महिलाएं लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान की मांग कर रही थीं। बार काउंसिल ने इसे पाकिस्तान के संविधान, कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन बताया।

बांग्लादेश में हिंदू श्रमिक की हत्या की अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतवंशी अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने बांग्लादेश के एक कपड़ा कारखाने में काम करने वाले हिंदू श्रमिक की हत्या की निंदा की। उन्होंने वैश्विक समुदाय से ऐसे घृणित कृत्यों के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। खन्ना ने सोशल मीडिया पर शनिवार को एक पोस्ट में दास की हत्या को भयानक घटना बताया। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य व सांसद खन्ना ने कहा, मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उसके मित्रों और परिवार के साथ हैं।

सूरीनाम में 5 बच्चों सहित 9 लोगों की चाकू मारकर हत्या

परमारिबो , एजेंसी। सूरीनाम की राजधानी परमारिबो के बाहरी इलाके में 9 लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में 5 बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मरने वाले लोग हमलावर के बच्चे और पड़ोसी थे। सूरीनाम पुलिस ने बताया कि हमलावर ने मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों पर भी हमला करने की कोशिश की। हालांकि, हमलावर के पैर में गोली मारकर उसे काबू में किया गया। आरोपी फिलहाल अस्पताल में भर्ती है और इलाज चल रहा है। सूरीनाम दक्षिण अमेरिका का एक छोटा सा देश है जो महाद्वीप के उत्तरी तट पर स्थित है। इसकी सीमा गुयाना, ब्राजील और फ्रेंच गुयाना से लगती है। इसकी आबादी 6 लाख से अधिक है। 1975 में नीदरलैंड से आजादी मिलने के बाद से सूरीनाम को कई बार तख्तापलट और एक गृहयुद्ध का सामना करना पड़ा है।

ह्यूस्टन में तीन शव मिलने के बाद सीरियल किलर की अफवाह फैली, लोग डरे; दलदली जगह से मिल रही लाशें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ह्यूस्टन के बफेलो बायू इलाके में इस सप्ताह तीन शव बरामद किए गए हैं, जिसके बाद से ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह फैल गई है और स्थानीय लोग डरे हुए और परेशान हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह तेजी से सोशल मीडिया पर फैल रही है। हालांकि जांच अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि सीरियल किलर की अफवाह का कोई आधार नहीं है। गौरतलब है कि ह्यूस्टन में शव मिलने की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं बल्कि इस साल सितंबर में भी ह्यूस्टन की दलदली भूमि से पांच शव निकाले गए थे। उसके बाद भी इलाके में सीरियल किलर की अफवाह ने जोर पकड़ा था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पिछले साल ह्यूस्टन के स्थानीय जलमार्गों से 35 शव बरामद किए गए थे और इस साल अब तक 34 शव मिल चुके हैं। ह्यूस्टन के लोगों का कहना है कि इतनी संख्या में शव मिल रहे हैं तो कोई तो है, जो लोगों को मार रहा है। वहीं जांच एजेंसियों का कहना है कि एक जगह पर शव मिलना ही अपराध का संकेत नहीं है।

नए साल में खत्म हो जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध? डोनाल्ड ट्रंप बोले- 95 फीसदी मुद्दों पर बन गई है बात

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि हम यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए समझौते के काफी करीब पहुंच गए हैं। हालांकि, पूर्वी यूक्रेन के विवादित डोनबास क्षेत्र का भविष्य अभी भी एक बड़ा अनसुलझा मुद्दा बना हुआ है। दोनों नेताओं ने फ्लोरिडा स्थित ट्रम्प के मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रविवार को 3 घंटे लंबी बैठक की। ट्रम्प और जेलेंस्की ने यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी और डोनबास क्षेत्र के बंटवारे पर प्रगति होने की बात कही, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं दी और न ही समझौते की कोई समय सीमा बताई। ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर बातचीत अभी बाकी है। कुछ हफ्तों में यह पता चल जाएगा कि बातचीत सफल होगी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर समझौता हो गया है। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि इस पर 95% सहमति बन चुकी है और यूरोपीय देश इस प्रयास का बड़ा हिस्सा संभालेंगे, जिसमें अमेरिका का समर्थन होगा। तीन घंटे तक यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की संग चली वार्ता के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों युद्धविराम के बहुत करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब एक या दो ही गंभीर मुद्दे बचे हैं। वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह वार्ता बहुत ही सकारात्मक थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी फोन पर बात हुई और ऐसा लगता है कि हम समझौते के बहुत करीब हैं।

रूस ने कहा, डोनबास छोड़ दो : ट्रंप ने कहा कि सुरक्षा की गारंटी को लेकर 95 फीसदी के करीब सहमति बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस ने यूक्रेन से डोनबास इलाके को छोड़ने को कहा है। बाकी कुछ मुद्दे अभी बाकी रह गए हैं। यह बातचीत अमेरिका के फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप के मार ए लागो रिजॉर्ट में हुई थी।

जेलेंस्की ने क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि यह वार्ता सफलता के करीब है। जेलेंस्की ने भी इस मीटिंग को सकारात्मक बताया और कहा कि दोनों पक्षों में भरोसा बढ़ा है। जेलेंस्की ने कहा की गारंटी को लेकर पूरी तरह से सहमति बन गई है। वहीं ट्रंप ने कहा कि इस मुद्दे पर 95 फीसदी सहमति बनी है। इसमें यूरोपीय देशों की बड़ी भूमिका होगी औरअमेरिका उनका समर्थन करेगा।

किन बातों पर नहीं बनी सहमति : दोनों नेताओं ने कहा कि डोनबास को लेकर अभी कोई सहमित नहीं बनी है। यूक्रेन चाहता है कि रूस यहां से अपनी सेना को हटा ले। वहीं रूस डोनबास इलाके पर कब्जे का दावा कररहा है। यह मुद्दा गंभीर है। यूक्रेन का कहना है कि जनता की सहमति से ही वह कोई फैसला करेगा। ऐसे में डोनबास में जनमत संग्रह करवाया जा सकता है।

बता दें कि जेलेंस्की से बातचीत से ठीक पहले डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को फोन घुमाया था। रूस ने कहा कि यह केवल दोस्ताना बातचीत थी। रूस ने कहा कि यूरोप और यूक्रेन की तरफ से जो 60 दिनों को युद्धविराम का प्रस्ताव आया है, उसे लंबा भी किया जा सकता है। डोनबास पर जल्द फैसला करने की जरूरत है। बता दें कि हाल ही में रूस ने राजधानी और अन्य इलाकों पर मिसाइल हमले किए हैं। इससे कीव के एनर्जी संयंत्र प्रभावित हुए हैं। यूक्रेन जाने को भी तैयार डोनाल्ड ट्रंप डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर उनकी यूक्रेन यात्रा से युद्ध खत्म होता है तो वह इस दौरे के लिए तैयार हैं। वह यूक्रेन की संसद को भी संबोधित करेंगे। बता दें कि जेलेंस्की ने उन्हें यूक्रेन आने के लिए आमंत्रित किया है।

ट्रम्प बोले- मैंने 8 जंग रुकवाए, रूस-यूक्रेन जंग सबसे मुश्किल : ट्रम्प ने अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित अपने रिसॉर्ट 'मार-ए-लागो' में जेलेंस्की का स्वागत किया। युद्ध मामले पर चर्चा से पहले, दोनों नेताओं ने रिसॉर्ट के बाहर पत्रकारों से बात की। ट्रम्प ने कहा- मैंने आठ युद्ध खत्म करवाए हैं, लेकिन रूस-यूक्रेन जंग सबसे मुश्किल है। हम बातचीत के अंतिम दौर में हैं। देखते हैं क्या होता है। या तो युद्ध खत्म हो जाएगा या बहुत लंबे समय तक चलता रहेगा और लाखों लोग मारे जाएंगे। ट्रम्प ने कहा- युद्ध कब रुकेगा, इसकी कोई तय समय सीमा नहीं है। मैं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करूंगा। बहुत से लोग मारे गए हैं और दोनों राष्ट्रपति अब समझौता करना चाहते हैं।

जेलेंस्की संग मीटिंग से पहले ट्रम्प ने पुतिन से बात की : ट्रम्प ने जेलेंस्की के साथ मीटिंग से ठीक पहले पुतिन से फोन पर बातचीत की थी। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा- आज दोपहर 1 बजे यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ बैठक से पहले, मेरी रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ फोन पर अच्छी और बहुत ही सार्थक बातचीत हुई। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पुतिन से दो घंटे से ज्यादा बात की।

ट्रम्प ने कहा कि रूसी नेता ने यूक्रेन की पुनर्निर्माण में मदद करने, सस्ती ऊर्जा सप्लाई करने का वादा किया। ट्रम्प ने कहा, 'रूस यूक्रेन को सफल होते देखना चाहता है, यह थोड़ा अजीब लगता है।' इस दौरान जेलेंस्की मुस्कुराते रहे। ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की से मुलाकात के बाद वे फिर पुतिन से बात करेंगे। ट्रम्प और जेलेंस्की के साथ बैठक में रूस शामिल नहीं होगा।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति वर्षों बाद राष्ट्रपति भवन पहुंचे, ऐतिहासिक ब्लू हाउस में शिफ्ट हुए

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग सोमवार को आधिकारिक राष्ट्रपति भवन चोंग वा डे पहुंचे, जून में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद यह ली जे म्युंग का पहला राष्ट्रपति भवन का दौरा था। यह राष्ट्रपति भवन बीते तीन वर्षों से खाली पड़ा है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल ने राष्ट्रपति भवन को रक्षा मंत्रालय परिसर में स्थानांतरित कर दिया था।

ऐतिहासिक है दक्षिण कोरिया का ब्लू हाउस : दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास की इमारत बेहद ऐतिहासिक है और इसे ब्लू हाउस कहा जाता है। 9 मई 2022 के बाद पहली बार कोई दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ब्लू हाउस गया है। 9 मई 2022 को तत्कालीन राष्ट्रपति मून जे इन के कार्यकाल का आखिरी दिन था। उनके बाद राष्ट्रपति बने यून सुक योल ने राष्ट्रपति भवन को रक्षा मंत्रालय की इमारत में शिफ्ट कर दिया था। दिसंबर 2024 में यून सुक योल पर देश में मार्शल लॉ लगाने का आरोप लगा और उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया। उसके बाद हुए चुनाव में ली जे म्युंग ने सत्ता संभाली।

यून सुक योल ने रक्षा मंत्रालय में शिफ्ट कर दिया था राष्ट्रपति भवन : ब्लू हाउस उत्तरी सियोल में शहर की भागदौड़ से दूर एक पहाड़ी के निचले इलाके में बना है। 62 एकड़ में फैली ये ऐतिहासिक इमारत ऐतिहासिक जियोंगबोकगुंग महल के पास स्थित है और दक्षिण कोरिया के जापान के शासन से आजाद होने के बाद से ही राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास रहा है। हालांकि यून सुक योल का मानना था कि राष्ट्रपति भवन लोगों की पहुंच से दूर है और ज्यादा लोकतांत्रिक होने का हवाला देते हुए रक्षा मंत्रालय परिसर में राष्ट्रपति भवन को स्थानांतरित कर दिया। इस काम में भारी-भरकम रकम खर्च हुई, जिसे लेकर यून की आलोचना भी हुई थी। यून ने ब्लू हाउस को संग्रहालय में तब्दील कर दिया और इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया था।

सीरिया में सांप्रदायिक दंगा, 4 की मौत, दर्जनों घायल; मस्जिद में धमाके के दो दिन बाद झड़प

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में रविवार को अलावी समुदाय के प्रदर्शनकारियों और विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, ये झड़पें होम्स शहर में एक मस्जिद पर हुए बम विस्फोट के दो दिन बाद हुईं, जिसमें 8 लोग मारे गए थे और 18 घायल हुए थे। हजारों की संख्या में अलावी प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे, वे अलावी समुदाय के खिलाफ हो रही हत्याओं, गिरफ्तारियों, नौकरियों से बर्खास्तगी और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने संघीय व्यवस्था की मांग भी की। झड़पों के दौरान, लताकिया में सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों ने अलावी प्रदर्शनकारियों पर पत्थर फेंके। सुरक्षा बलों ने दोनों पक्षों को अलग करने की कोशिश की और हवा में गोलीबारी करके भीड़ को तितर-बितर किया। सरकारी टीवी के अनुसार, तर्तूस में किसी ने पुलिस स्टेशन पर हैंड ग्रेनेड फेंका, जिसमें सुरक्षा बलों के दो सदस्य घायल हो गए। लताकिया में सुरक्षा बलों की गाड़ियां आग के हवाले कर दी गईं। सरकारी समाचार एजेंसी साना ने बताया कि गोलीबारी में एक सुरक्षा कर्मी की मौत हो गई और पत्थरों, चाकुओं और गोलीबारी से करीब 60 लोग घायल हुए, जिनमें नागरिक और सुरक्षा कर्मी दोनों शामिल हैं। सरकार ने हमले की निंदा की और दोषियों को सजा देने का वादा किया, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। बशर असद के दिसंबर 2024 में सत्ता से हटने के बाद से सीरिया में संप्रदायिक झड़पें बढ़ गई हैं। असद अलावी थे और तख्तापलट के बाद वे रूस भाग गए थे। मार्च 2025 में असद समर्थकों के हमले के बाद बदले की कार्रवाइयों में सैकड़ों अलावी मारे गए थे। असद के शासन में अलावी सेना और सरकारी नौकरियों में ज्यादा प्रतिनिधित्व रखते थे।

घाना के युवक ने खुद को पैगंबर बताया:25 दिसंबर से प्रलय शुरू होने का दावा किया था

एक्रॉ, एजेंसी। अफ्रीकी देश घाना में 30 साल का एक युवक खुद को भगवान का भेजा हुआ पैगंबर बता रहा है। पहले उसने दावा किया था कि 25 दिसंबर से पूरी दुनिया में ऐसी भयानक बाढ़ आएगी कि धरती पानी में डूब जाएगी और तीन साल तक लगातार बारिश होगी।

यानी 25 दिसंबर से प्रलय की शुरुआत हो जाएगी, हालांकि अब वह कह रहा है कि उसकी प्रार्थना के बाद ईश्वर ने लोगों को और समय दे दिया है। इस युवक का नाम एबो नोआ है। सोशल मीडिया पर वह खुद को 'एबो जीसस' कहता है। इंस्टाग्राम पर उसके करीब 32 हजार फॉलोअर्स हैं। वायरल वीडियो में एबो नोआ कहता दिख रहा है कि उसे भगवान का संदेश मिला है कि बहुत जल्द लगातार बारिश शुरू होगी, जिससे पूरी धरती जलमग्न हो जाएगी और जैसे आज दुनिया चल रही है, उसका अंत हो जाएगा।

एबो नोआ का दावा- उसे 8 नाव बनाने का आदेश मिला : एबो नोआ का कहना है कि भगवान ने उसे पहले से तैयारी करने को कहा है। इसी वजह से वह बड़ी-बड़ी लकड़ी की नावें, यानी आर्क बनवा रहा है। उसका दावा है कि ये नावें ही तबाही के समय लोगों को बचा पाएंगी। वह कहता है कि उसे कुल आठ नावें बनाने का आदेश मिला है। वीडियो में वह खुद एक बड़ी लकड़ी की नाव के पास खड़ा होकर उसके निर्माण की निगरानी करता नजर आता है। इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई लोग उसके दावे पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ यूजर्स बाइबिल की किताब जेनेसिस का हवाला दे रहे हैं, जिसमें लिखा है कि भगवान ने इंद्रधनुष के जरिए वादा किया था कि वह धरती को दोबारा कभी पूरी बाढ़ से नष्ट नहीं करेंगे। इसी वजह से लोग एबो नोआ की बातों को सच मानने को तैयार नहीं हैं।

अगस्त में भी धरती डूबने का दावा किया था : एबो नोआ इससे पहले भी ऐसे दावे कर चुका है। अगस्त में भी उसने इसी तरह का दावा किया था। अब एबो नोआ कह रहा है कि भगवान ने हमारी प्रार्थना सुन ली है। उन्होंने हमें और वक्त दे दिया है, ताकि हम और नावें बना सकें। इस क्रिसमस का आनंद लीजिए। इस पूरे मामले से जुड़ी एक और अजीब घटना भी सामने आई है। खबर है कि एक शख्स ने गुस्से में आकर एक नाव को जला दिया। उसे लगा कि यही एबो नोआ की नाव है। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी और परिवार वाले बाढ़ की अफवाह सुनकर उस नाव के पास रहने चले गए थे। बाद में पता चला कि वह नाव एबो नोआ से जुड़ी ही नहीं थी। इसके बाद यह मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया।

आम चुनाव से पहले दो प्रमुख मधेसी पार्टियां हुई एक संयुक्त बयान जारी कर जेएसपी-एलएसपी में विलय का एलान

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में आगामी आम चुनावों से पहले दो प्रमुख मधेसी राजनीतिक दलों ने एकजुट होने का ऐलान किया है। 5 मार्च को प्रस्तावित आम चुनावों से पहले जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) के विलय की घोषणा रविवार को हुई।

संयुक्त बयान जारी कर विलय की घोषणा : नेपाल में आम चुनावों से पहले दो प्रमुख मधेसी पार्टियों ने विलय करने की घोषणा की है। आम चुनाव अगले साल 5 मार्च को होने हैं। ऐसे में महंत ठाकुर के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) और उपेंद्र यादव के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) ने रविवार को एक संयुक्त बयान जारी कर विलय की घोषणा की है।

दोनों दलों के अध्यक्षों के किया हस्ताक्षर : दोनों दलों के नेताओं ने कहा कि देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति का विश्लेषण करने और संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए यह फैसला लिया गया है। संयुक्त बयान में कहा गया, 'दोनों दलों के एकीकरण का फैसला संघीयता, पहचान, अनुपातिक प्रणाली पर आधारित समावेशिता और सामाजिक न्याय जैसे दूरदर्शी बदलावों से जुड़े मुद्दों को मजबूत कर एक न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के उद्देश्य से लिया गया है। बयान पर दोनों दलों के अध्यक्षों के हस्ताक्षर हैं। साथ ही कहा गया है कि पार्टी एकीकरण से जुड़े आवश्यक विचार-विमर्श और प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को बाद में पूरा किया जाएगा।

बालेन शाह बने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार : इधर, काठमांडो महानगरपालिका के मेयर बलेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, उनको रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित किया गया है, उन्होंने और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च को होने वाले नेपाल चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार बालेन और उनका समूह चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आरएसपी के चुनाव चिन्ह 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा। बालेन की ओर से अपनी टीम का आरएसपी में विलय करने पर सहमति जताने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिन्ह अपरिवर्तित रहेंगे।

मेक्सिको में ट्रेन पटरी से उतरी, इंजन पलटा:13 की मौत, 98 घायल

ओअक्साका, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओअक्साका में एक ट्रेन के पटरी से उतर गई, जिसके बाद ट्रेन का इंजन पलट गया। कई बोगियां भी पलट गई। इसमें 13 लोगों की मौत हो गई और 98 लोग घायल हो गए हैं। यह ट्रेन मैक्सिको की खाड़ी और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले एक नए रेलमार्ग पर चल रही थी। इस रेलवे लाइन का संचालन मैक्सिकन नौसेना करती है। मेक्सिकन नौसेना के अनुसार, ट्रेन में 250 लोगों सवार थे, जिसमें 9 क्रू मेंबर शामिल थे। हादसा चिवेला और निजांडा कस्बों के बीच एक मोड़ पर हुआ। घायलों में से 36 को अस्पताल में इलाज दिया जा रहा है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पांच घायल गंभीर हालत में हैं। उन्होंने सीनियर अधिकारियों को मौके पर भेजकर मृतकों के परिवारों की मदद करने के निर्देश दिए हैं।

सरकारी एजेंसियां घायलों की मदद के लिए पहुंचे : ओअक्साका राज्य के गवर्नर सलोमोन जारा ने एक्स पर पोस्ट करके बताया कि कई सरकारी एजेंसियां हादसे की जगह पर पहुंच गई हैं और घायलों की मदद कर रही हैं। मेक्सिको की अटॉर्नी जनरल अर्नेस्टिना गोदॉय रामोस ने भी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है। यह ट्रेन प्रशांत महासागर के सालिना क्रूज बंदरगाह से अटलांटिक महासागर तक लगभग 290 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

रेल लाइन का उद्घाटन 2023 में हुआ था : यह इंटरोशियनिक ट्रेन सेवा 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति एंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर ने शुरू की गई थी। यह मेक्सिको के दक्षिणी हिस्से में रेल यात्रा को बढ़ावा देने और तेहुआंतेपेक इस्त्मस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास का हिस्सा है। सरकार का योजना इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतिक कॉरिडोर बनाने की है, जहां बंदरगाहों और रेल लाइनों से दोनों महासागरों को जोड़ा जा सके। इस हादसे से रेल सेवा प्रभावित हुई है और बचाव कार्य जारी हैं।

उत्तर कोरिया ने फिर दिखाया हथियारों का दम, लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का किया परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है। इसके तहत उत्तर कोरिया ने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण देश की परमाणु ताकत को परखने के लिए किया गया। यह कदम ऐसे समय उठा है, जब उत्तर कोरिया अपनी पहली परमाणु पनडुब्बी के निर्माण में तेजी दिखा रहा है, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ गया है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए (च्ष्टद्ब) के अनुसार, ये मिसाइल परीक्षण रविवार को देश के पश्चिमी तट के पास किए गए।

जब ये परीक्षण किया गया तब वहां खुद उत्तर कोरिया के नेता नेता किम जोंग उन मौजूद थे। उन्होंने इस परीक्षण को लेकर कहा कि देश की परमाणु ताकत की विश्वसनीयता को जांचना और अपनी सैन्य क्षमता दिखाना, बाहरी खतरों के सामने आत्मरक्षा और युद्ध रोकने का जिम्मेदार कदम है।

उत्तर कोरियाई सेना ने की पुष्टि : दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया की सेना ने भी पुष्टि की कि रविवार सुबह उत्तर कोरिया की राजधानी क्षेत्र से कई क्रूज मिसाइलें दागी गईं। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिका के साथ अपने सैन्य गठबंधन के तहत किसी भी उत्तर कोरियाई उकसावे का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अब समझिए क्या है कानूनी स्थिति : वहीं बात अगर अब अंतरराष्ट्रीय कानून की स्थिति की करें, तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया को बैलिस्टिक मिसाइल दागने से रोक रखा है। हालांकि, क्रूज मिसाइल के परीक्षण पर सीधी रोक नहीं है। फिर भी, ये मिसाइलें अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लिए खतरनाक मानी जाती हैं, क्योंकि ये कम ऊंचाई पर उड़ती हैं, आसानी से दिशा बदल सकती हैं और रडार

से बच निकलती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध की स्थिति में उत्तर कोरिया इनका इस्तेमाल अमेरिकी युद्धपोतों और विमानवाहक जहाजों पर हमला करने के लिए कर सकता है।

हाल की अन्य गतिविधियां : बता दें कि पिछले हफ्ते उत्तर कोरिया ने नई एंटी-एयर मिसाइलों का परीक्षण किया। साथ ही, उसने एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी की तस्वीरें जारी कीं, जिसका ढांचा लगभग पूरा दिखा। ऐसे में उत्तर कोरिया ने संकेत दिया है कि इस पनडुब्बी में परमाणु मिसाइलें तैनात की जा सकती हैं। परमाणु पनडुब्बी उन कई आधुनिक हथियार प्रणालियों में से एक है, जिन्हें किम जोंग उन अमेरिका के नेतृत्व वाले सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए लाना चाहते हैं।

रूस से नजदीकी का असर : वहीं मामले में कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के महीनों में रूस के साथ उत्तर कोरिया की नजदीकी, जिसमें यूक्रेन युद्ध में रूस को सैनिक और सैन्य उपकरण भेजना शामिल है, के बदले उत्तर कोरिया को महत्वपूर्ण तकनीक मिल सकती है। ऐसे में विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि अगले साल होने वाले वर्कर्स पार्टी कांग्रेस से पहले उत्तर कोरिया अपने हथियारों के और प्रदर्शन कर सकता है।

अमेरिकी वार्ता से किम जोंग के प्रस्ताव तक, जानिए : गौरतलब है कि 2019 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ परमाणु वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम पर और ज्यादा जोर दिया है। हालांकि, सितंबर में किम जोंग उन ने संकेत दिया था कि अगर अमेरिका उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग छोड़ दे, तो बातचीत फिर शुरू हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी बढ़ी हुई परमाणु ताकत को संभावित वार्ताओं में दबाव बनाने के हथियार के रूप में देख रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश की तो निंदा कर दी, देश में मॉब लिंचिंग पर सरकार क्यों चुप-मौलाना मदनी

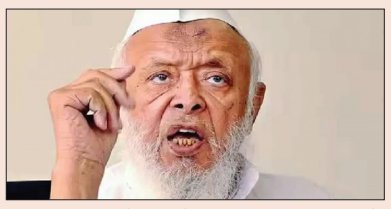

सहारनपुर (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने बांग्लादेश में हुई हिंसा की निंदा की है। साथ ही उन्होंने भारत में हो रही हिंसा का भी जिक्र किया है। मौलाना मदनी ने सरकार से पूछा है कि यह दोहरा रवैया क्यों। बांग्लादेश में हिंदू के मारे जाने पर आपने निंदा की लेकिन भारत में भी धार्मिक उग्रवाद और मॉब लिंचिंग हो रही है, लेकिन आपने उसकी निंदा क्यों नहीं की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मौलाना अरशद मदनी ने एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने लिखा, ''बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, वह बहुत ही बुरा हुआ। यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि हैवानियत और दरिंदगी की इंतिहा है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। इस्लाम इसकी कतई, कतई अनुमति नहीं देता। जिन लोगों ने ऐसा किया है, उन्होंने न केवल इस्लामी शिक्षाओं का उल्लंघन किया है, बल्कि इस्लाम को बदनाम करने का काम भी किया है। इसलिए ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए।'' मदनी ने आगे लिखा है, ''धार्मिक उग्रवाद और नफ़रत हमारे देश को भी तबाह-बर्बाद कर रही है। क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदाय के साथ सांप्रदायिक तत्वों ने जो कुछ किया, उसे भी किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता। यह संविधान में नागरिकों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। जगह-जगह चर्चों पर हमले हुए, और ईसाई समुदाय को अपना त्योहार मनाने से रोकने की कोशिश की गई।''

यूपी में एसआईआर की तिथि में फिर हुआ बदलाव

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी, 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषित तिथियों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित तिथियों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है। छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा। पूर्व में आयोग ने 31 दिसम्बर यानि कल मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन की तिथि तय की थी।

लातूर : शराब परोसने से मना करने पर बार मालिक की नृशंस हत्या

लातूर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। चाकुर तालुका के नाइगांव में मात्र शराब और सिगरेट न देने पर 3 युवकों ने मिलकर एक 42 वर्षीय बार मालिक, गजानन कासले, की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, जब कासले अपना बार बंद कर चुके थे, तब तीन युवक जबरन अंदर घुस आए। उन्होंने बंद समय में शराब और सिगरेट की मांग की। जब कासले ने नियमों का हवाला देकर इंकार किया, तब आरोपी हिंसक हो उठे। आरोपियों ने कासले को गालियां देकर लकड़ी के डंडों व लाठियों से उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। सिर और शरीर पर गंभीर चोटें लगने के कारण कासले की मौके पर ही मौत हो गई। बीच-बचाव करने आए वेटर अजय मोरे को भी बुरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल है। आरोपी जाते-जाते काउंटर से 15,000 रुपये नकद, शराब की बोतलें लूट ले गए और बार का टेलीविजन भी तोड़ दिया। इसके बाद स्थानीय पुलिस और एलसीबी ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी की मदद से पुलिस ने घटना के मात्र 5 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मारुति उर्फ बबलू हरिबा बोयने, संतोष राम तेलंगे, सागर हनुमंत बोयने (ये तीनों रेनापुर तालुका के धवेली गांव के निवासी) हैं। मृतक के भाई बालाजी कासले की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

त्रिपुरा में आक्रोश : बांग्लादेशी गैस टैंकर्स का घेराव

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के जीरानिया और बोधजंग नगर क्षेत्रों में जनता का धैर्य तब जवाब दे गया, जब प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश से आए आठ गैस बुलेट टैंकर्स को रोक दिया। बांग्लादेशी वापस जाओ के नारों के साथ हुआ विरोध प्रदर्शन केवल एक नाकाबंदी नहीं, बल्कि पड़ोसी देश में पनप रहे भारत-विरोधी विमर्श और हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ एक कड़ा संदेश है। दरअसल बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के आने को विशेषज्ञ केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि कट्टरपंथ का आगमन मान रहे हैं। यूनुस की चीन यात्रा और वहां सेवन सिस्टर्स (पूर्वोत्तर भारत) के लिए बांग्लादेश को गार्जियन बताने वाला बयान भारत की क्षेत्रीय अखंडता के लिए सीधी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। त्रिपुरा जैसे शांत राज्य में इस तरह का प्रदर्शन भारत की बदलती रणनीति और जन-भावनाओं को दर्शाता है। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार अब स्वीकार्य नहीं हैं। भारत-विरोधी एजेंडा चलाने वालों को भारतीय संसाधनों का लाभ नहीं मिलने दिया जाएगा। सीमा पार से दी जा रही धमकियों का जवाब अब ज़मीनी कार्रवाई से दिया जाएगा।

5 जनवरी से शुरू होगा दिल्ली विधानसभा सत्र, इन मुख्य मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 5 जनवरी से विधानसभा सत्र शुरु होगा। यह तीन दिवसीय शीतकालीन सत्र होगा। सत्र के दौरान पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के पुनर्निर्माण से जुड़ी कैग रिपोर्ट को लेकर होगी, जिसे सदन के पटल पर रखा जाएगा। इसकी पुष्टि विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने की है। रिपोर्ट में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले (भाजपा ने शीश महल का नाम दिया है) के नवीनीकरण में हुए खर्च और कथित वित्तीय अनियमितताओं का लेखा-जोखा होने की संभावना है। इसके अलावा सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार ने संकेत दिए हैं कि वे न केवल शीश महल बल्कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और मोहल्ला क्लीनिक से जुड़ी ऑडिट रिपोर्ट भी पेश कर सकते हैं।

चुनाव आते ही दुशासन और दुर्योधन दिखाई देने लगते: सीएम ममता बनर्जी

-शाह के बयान पर बोलीं सीएम- घुसपैठ अगर बंगाल से ही तो फिर पहलगाम हमला क्या आपने कराया?

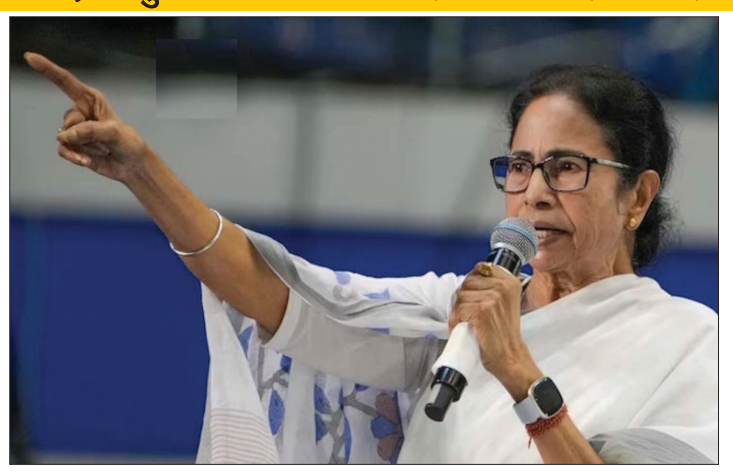

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान दिए गए बयान पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तंज कसते हुए कहा, शकुनि का चेला दुशासन बंगाल में जानकारी जुटाने के लिए आया है। चुनाव का समय जैसे ही आता है, दुशासन और दुर्योधन दिखाई देने लगते हैं। उन्होंने कहा, कि आज भाजपा कह रही ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो बताएं कि पेट्रापोल और अंडाल में जमीन किसने दी?

बांकुरा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं सीएम ममता बनर्जी ने कहा, कि भाजपा कहती है, कि घुसपैठिए सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा ही है तो क्या फिर पहलगाम में हमला आपने कराया था? दिल्ली ब्लास्ट की जो घटना हुई, उसके पीछे कौन था? यहां उन्होंने कहा, कि भाजपा एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान कर रही है।

दरअसल सीएम ममता का यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, कि पश्चिम बंगाल में ममता सरकार घुसपैठ को रोक नहीं पा रही है। अगर राज्य में बीजेपी सरकार बनती है तो यहां परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। शाह के बयान पर सीएम ममता ने जोरदार हमला बोला है और उन्होंने वो तमाम घटनाएं गिना दी हैं, जिन्हें घुसपैठ से जोड़कर देखा जाता है।

विधानसभा कार्यकाल 7 मई तक

दरअसल, केंद्रीय मंत्री शाह बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर दौरे पर पहुंचे हैं। पश्चिम बंगाल की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 7 मई 2026 तक का है। चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होना तय माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल में कुल विधानसभा सीटों की संख्या 294 हैं, और यहां टीएमसी की ममता सरकार है।

डीआरडीओ ने किया पिनाका रॉकेट का पहला सफल परीक्षण रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सोमवार को ओडिशा की एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर से लंबी दूरी के गाइडेड पिनाका रॉकेट (120 किलोमीटर रेंज) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. समीर.वी. कामत ने इसके लिए डीआरडीओ की समूची टीम को बधाई दी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने बधाई संदेश में कहा, सफलता के साथ डिजाइन और निर्मित यह रॉकेट सशस्त्र सेनाओं की क्षमता में वृद्धि करेगा। उन्होंने इसे एक गेम चेंजर की संज्ञा भी दी है। वहीं, डॉ. कामत जो इस परीक्षण के साक्षात गवाह भी बने, उन्होंने संगठन की पूरी टीम को परीक्षण यानी मिशन से जुड़े हुए सभी उद्देश्यों को सफलता के साथ प्राप्त करने के लिए बधाई दी। परीक्षण को डीआरडीओ द्वारा रेंज में लगाए गए विभिन्न उपकरणों की मदद से व्यापक रूप से जांचा गया। पिनाका रॉकेट का डिजाइन स्वदेशी रूप से एआरडीई ने एचईएमआरएल और इमारत प्रयोगशाला के साथ मिलकर तैयार किया है।

एयरपोर्ट पर यात्री से मारपीट करने वाला पायलट वीरेंद्र गिरफ्तार, यात्री की टूट गई थी नाक

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर एक यात्री के साथ बदसलूकी और मारपीट मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी पायलट वीरेंद्र सेजवाल को गिरफ्तार किया है। वीरेंद्र एयर इंडिया एक्सप्रेस का कर्मचारी है और उस पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री पर जानलेवा हमला करने का आरोप है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना 19 दिसंबर की है जब पीड़ित यात्री अंकित दीवान अपने परिवार के साथ यात्रा पर निकले थे। सिक्योरिटी चेकिंग के दौरान लाइन में लगने को लेकर पायलट वीरेंद्र और अंकित के बीच बहस हुई। चश्मदीदों के मुताबिक बहस गाली-गलौज तक पहुंची और फिर अचानक पायलट ने अंकित के चेहरे पर जोरदार मुक्का मारा जिससे अंकित की नाक की हड्डी टूट गई उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां मेडिकल रिपोर्ट में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई।

अंकित ने बताया कि यह पूरी घटना उनके छोटे बच्चों के सामने हुई। पायलट की हिंसक हरकत देखकर उनके दोनों बच्चे बुरी तरह डर गए और रोने लगे। पीड़ित के मुताबिक इस घटना ने पूरे परिवार को मानसिक रूप से झकझोर दिया है। बच्चे आजकल सब समझते हैं उन्हें इस सदमे से बाहर निकालना अब सबसे बड़ी चुनौती है।

दिल्ली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एयरपोर्ट के सुरक्षा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में आरोपी पायलट साफ तौर पर मारपीट करता दिखाई दिया। वहां मौजूद गवाहों ने भी पुष्टि की कि विवाद को बातचीत से सुलझाया जा सकता था लेकिन पायलट ने शारीरिक हिंसा का रास्ता चुना। पुलिस के मुताबिक आरोपी पायलट वीरेंद्र को अपने किए पर कोई पछतावा नहीं था। इससे पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी उसे तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया।

संजय राउत का शिंदे गुट पर तंज... पहले शिवसेना हमेशा अग्रणी रही, अब बीजेपी के सामने झुक गई

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल है। महायुति द्वारा सीटों के बंटवारे का फार्मूला सामने आने के बाद, यूबीटी शिवसेना सांसद संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा प्रहार किया है। सांसद राउत ने आरोप लगाया कि शिंदे गुट भाजपा के सामने झुक गया है और उनके द्वारा दी गई सीटों पर चुनाव लड़ेगा। राउत ने कहा कि पिछले 60 वर्षों में शिवसेना ने कभी किसी के सामने समझौता नहीं किया, लेकिन अब शिंदे गुट ने भाजपा के पास जाकर मराठी अस्मिता पर सवाल उठाया है।

सांसद राउत ने कहा कि अब शिवसेना को सीटें भाजपा के कारण मिल रही हैं, जबकि पहले शिवसेना हमेशा अग्रणी रही है। उन्होंने शिंदे गुट पर कटाक्ष कर इस मराठी लोगों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। संजय राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ गठबंधन में करीब 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, एनसीपी के शरद पवार गुट के साथ भी कुछ सीटों का आदान-प्रदान होगा। बीएमसी चुनावों से पहले उद्धव और राज ठाकरे ने मिलकर 'भूमिपुत्र' के मुद्दे को फिर से जोर देने की कोशिश की है।

इस बीच,एनसीपी-एससीपी ने मुंबई के सात वार्डों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 37 उम्मीदवारों की सूची के एक दिन बाद 27 और उम्मीदवारों की दूसरी सूची भी जारी की है। इस राजनीतिक गतिरोध ने महाराष्ट्र की सियासत में एक नई हलचल पैदा कर दी है, जहां पुराने और नए गठबंधनों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। बंटवारे, गठबंधन और मराठी अस्मिता का मुद्दा महाराष्ट्र की राजनीति में नई ज्वाला पैदा कर रहा है।

लखनऊ में 170 भेड़ों की अचानक मौत से मचा हड़कंप, सीएम योगी ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के लखनऊ में 170 भेड़े अपने आप मर गई। यह रहस्यमय मौतें आखिर कैसे हुई है क्या कोई साजिश है यह कोई राष्ट्र विरोधी प्रयोग किया गया है, यह रहस्यमय मौतें अपने आप में कई सवाल खड़े कर रही हैं। इस मामले की जांच हाई लेवल पर की जाएगी। लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के आसपास के इलाके में करीब 170 भेड़ों की रहस्यमय तरीके से मौत के मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं और हरेक भेड़ की मौत के लिए 10 हजार रुपए के मुआवजे की घोषणा भी की है।

गैर-सरकारी संगठन की संस्थापक ने मड़ियांव थाने में दी शिकायत में कहा कि पीएम के हाल ही में हुए कार्यक्रम के बाद राष्ट्र प्रेरणा स्थल के आसपास के इलाके में करीब 170 भेड़ों की अचानक मौत हो गई। प्रथम दृष्ट्या यह पता नहीं है कि इन भेड़ों की मौत कोई अपशिष्ट खाने से हुई या किसी अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर उन्हें जहर दिया था। उन्होंने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 12 बजे उनकी संस्था को इस मामले की जानकारी मिली थी।

संगठन के संस्थापाक ने पुलिस से मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि भेड़ों की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के असली कारणों का पता लगाने के लिए उनके शवों का पोस्टमार्टम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में अगर कोई लापरवाही पाई जाती है या जहर दिए जाने की पुष्टि होती है तो आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। संगठन इस मामले की जांच में हरसंभव मदद करेगा।

संगठन के संस्थापक ने यह भी कहा कि यह घटना 'बहुत गंभीर' और 'संवेदनशील' है। जानवरों के प्रति क्रूरता और लापरवाही की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर समय पर निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा भी हो सकती है। इस बीच, मड़ियांव के थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उन्नाव रेप कांड: कुलदीप सेंगर की बेटी ने पिता के लिए न्याय मांगते हुए लिखी भावुक चिट्ठी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के चर्चित उन्नाव दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें सेंगर को राहत देने की बात कही गई थी। शीर्ष अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे अपराध के दोषियों को किसी भी सूरत में जमानत नहीं मिलनी चाहिए। जहां एक ओर पीड़िता न्याय की अपनी लंबी लड़ाई लड़ रही है, वहीं दूसरी ओर इस मामले ने एक नया मोड़ ले लिया है। कुलदीप सेंगर की बेटी डॉ. इशिता सेंगर ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी चुप्पी तोड़ते हुए एक भावुक और विचारोत्तेजक पत्र साझा किया है।

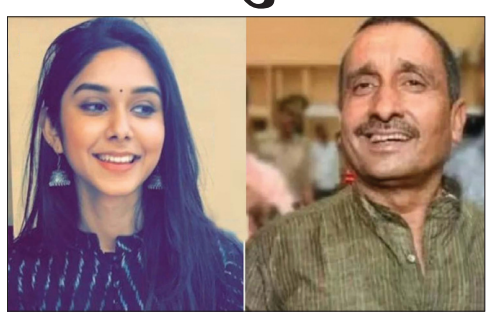

डॉ. इशिता सेंगर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले आठ वर्षों से उनका परिवार न्याय की उम्मीद में खामोश रहा, लेकिन अब उनकी सहनशक्ति जवाब दे रही है। उन्होंने लिखा, मैं यह पत्र एक ऐसी बेटी के रूप में लिख रही हूं जो थक चुकी है और डरी हुई है। आठ साल तक हमने इस उम्मीद में चुप्पी साधे रखी कि अगर हम कानून और संविधान का सम्मान करेंगे, तो सच स्वतः सामने आ जाएगा। हमने संस्थानों पर भरोसा किया और किसी भी तरह का शोर या प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अब मेरा वह विश्वास टूट रहा है।

इशिता ने समाज और सोशल मीडिया पर होने वाले मीडिया ट्रायल पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी व्यक्तिगत पहचान को केवल भाजपा विधायक की बेटी के लेबल तक सीमित कर दिया गया है, जिससे उनकी इंसानियत और बोलने के अधिकार को छीना जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने कभी अदालती दस्तावेज या रिकॉर्ड नहीं देखे, उन्होंने भी उनके परिवार के खिलाफ राय बना ली है। इशिता ने साझा किया कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार अमानवीय व्यवहार, गालियों और यहां तक कि दुष्कर्म और मौत की धमकियों का सामना करना पड़ता है।

पत्र में इशिता ने अपनी आर्थिक और भावनात्मक थकान का जिक्र करते हुए कहा कि वे हर उस अधिकारी और संस्थान के पास गईं जहां से न्याय की उम्मीद थी, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उनके पास वास्तव में वह ताकत होती जिसका जिक्र अक्सर किया जाता है, तो क्या उन्हें आठ वर्षों तक बेजुबान रहकर अपने नाम को कीचड़ में घसीटे जाते हुए देखना पड़ता? इशिता का कहना है कि आज न्याय व्यवस्था और संस्थाओं पर डर और जनता के उन्माद का दबाव इतना अधिक है कि तथ्यों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने अपील की है कि कानून को बिना किसी बाहरी दबाव, हैशटैग या लोकप्रिय राय के काम करने दिया जाए। उन्होंने अंत में भावुक होते हुए लिखा, मैं एक ऐसी बेटी हूं जिसे अब भी इस देश पर विश्वास है, कृपया मुझे इस विश्वास पर पछतावा न करने दें। यह पत्र अब कानूनी गलियारों और सार्वजनिक मंचों पर नई चर्चा का केंद्र बन गया है, जो एक हाई-प्रोफाइल मामले के दूसरे पक्ष की मानवीय जद्दोजहद को दर्शाता है।

जाते-जाते दिसंबर की सर्दी: उत्तर भारत में बारिश, बर्फबारी और घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। साल 2025 का अंत देश के बड़े हिस्से में कड़कड़ाती ठंड और बारिश की दोहरी मार के साथ होने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अनुमानों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों में बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी की संभावना है, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा सकती है। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार की सुबह घने कोहरे की चादर के साथ हुई, जिससे दृश्यता काफी कम रही और यातायात पर असर पड़ा। केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य भी आने वाले दिनों में घने कोहरे के साये में रहेंगे।

मौसम विभाग के अनुसार, एक नए विक्षोभ के सक्रिय होने से पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी राजस्थान में 30 दिसंबर को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, पहाड़ों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, गिलगिट-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 30 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच छिटपुट बारिश के साथ बर्फबारी का अनुमान है। पहाड़ों पर हो रही इस बर्फबारी का सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ेगा, जिससे ठिठुरन और बढ़ने के आसार हैं।कोहरे को लेकर जारी चेतावनी में बताया गया है कि 31 दिसंबर तक हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सुबह और शाम के समय बहुत घना कोहरा छा सकता है। 1 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश और 2 जनवरी तक ओडिशा में भी इसी तरह की स्थितियां बनी रहेंगी। इसके अलावा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और सिक्किम जैसे राज्यों में 5 जनवरी तक घने कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर और 1 जनवरी को शीत दिवस रहने की संभावना जताई गई है, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार में भी 30 दिसंबर को कड़ाके की ठंड पड़ने की उम्मीद है।

तापमान के उतार-चढ़ाव को लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इसके बाद फिर से 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। मध्य भारत में भी न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी, जबकि पूर्वी भारत के राज्यों जैसे झारखंड में अगले पांच दिनों के दौरान धीरे-धीरे तापमान बढ़ेगा। हालांकि, ओडिशा के कुछ हिस्सों में 31 दिसंबर तक शीत लहर चलने की आशंका है, जो नए साल के स्वागत के जश्न को थोड़ा ठंडा कर सकती है। कुल मिलाकर, उत्तर से लेकर पूर्व तक पूरा भारत इस समय मौसम के कड़े मिजाज का सामना कर रहा है।

दिल्ली के प्रदूषण संकट पर संजीव सान्याल का बयान, प्रदूषण का ठीकरा दिवाली पर फोड़ना गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्थशास्त्री और इतिहासकार संजीव सान्याल ने दिल्ली के प्रदूषण संकट पर बयान दिया है। उनका मानना है कि प्रदूषण का ठीकरा दिवाली पर फोड़ना गलत है। इसके बजाय हमें बुनियादी कारणों, जैसे चरमराते पब्लिक ट्रांसपोर्ट और पैदल चलने लायक फुटपाथों की कमी पर ध्यान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण संकट का समाधान तभी हो सकता है जब नागरिक और नीति-निर्माता असली कारणों पर ध्यान दें, न कि बेकार की बहसों में उलझें। सान्याल ने बताया कि वायु प्रदूषण पर सार्वजनिक चर्चाएं अक्सर मुख्य मुद्दों पर भटक जाती हैं जिनका कोई खास असर नहीं होता। उन्होंने दिवाली पर होने वाली बहसों का जिक्र कर कहा, दुर्भाग्य से हम दिवाली के बारे में बेकार की बहस करते हैं, जिसका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

सान्याल ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण एक जटिल समस्या है। इसके कई दीर्घकालिक कारण हैं। इन पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पराली जलाने के गंभीर मुद्दे हैं। यह समस्या का एक हिस्सा है। यह एकमात्र मुद्दा नहीं है। कंस्ट्रक्शन डस्ट यानी निर्माण धूल के गंभीर मुद्दे हैं। कूड़ा जलाने के मुद्दे हैं। इसी तरह के अन्य मुद्दे भी हैं।

हालांकि, उन्होंने जोड़ा कि यह प्रणाली सबसे महत्वपूर्ण चरण में विफल होती है। तब जब यात्री स्टेशन से बाहर निकलते हैं। सान्याल ने कहा, आप दिल्ली मेट्रो से बाहर निकलकर घोर अव्यवस्था में आ जाते हैं। उन्होंने समझाया कि असली समस्या उचित लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की कमी में है।

पैदल चलने के महत्व पर जोर देकर सान्याल ने इस किसी भी शहर में परिवहन का सबसे जरूरी कदम बताया। उन्होंने कहा, यह सबसे सस्ता है। यह स्वीकार कर कि वे खुद एक साइक्लिस्?ट हैं, सान्याल ने स्पष्ट किया कि साइकिल चलाने को पैदल चलने के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। साइकिल चलाना पैदल चलने का स्थान नहीं ले सकता। उन्होंने पैदल चलने वालों के बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से फुटपाथों में निवेश की कमी की भी आलोचना की। उनके अनुसार, शहर लगातार पैदल चलने वालों के स्थानों को प्राथमिकता देने में विफल रहते हैं। उन्होंने बताया कि जिसे अक्सर सड़क चौड़ीकरण कहा जाता है, वह वास्तव में पैदल चलने वालों को नुकसान पहुंचाता है। सान्याल ने कहा, सड़क चौड़ीकरण क्या है? यह पैदल चलने वाले स्थान को संकरा करना है।